RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 22 ▪ अंक - 17 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 08-08-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

4 दुनिया के बड़े-बड़े ब्रांड देश के बुनकरों से मिला रहे हाथ : राठौड़

6 अगस्त क्रांति : भारत छोड़ो आंदोलन की अमिट गाथा

फर्स्ट टेक

ब्रिक्स की अलग मुद्रा के पक्ष में नहीं है भारत : गोयल

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत, ब्रिक्स समूह की अलग मुद्रा शुरू करने के पक्ष में नहीं है और ऐसी किसी योजना का समर्थन नहीं करता है। ब्रिक्स समूह में दुनिया की उभरती और विकासशील 11 अर्थव्यवस्थाएं – ब्राजील, चीन, मिस्र, इथियोपिया, भारत, इंडोनेशिया, ईरान, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) शामिल हैं।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

लाओ ऐसा नेता

धर्म जाति अगड़ा– पिछड़ा,
अब उच्च दलित में बँटा वोट।
क्या यही स्वप्न था भारत का,
देखें हम जिसमें सदा खोट।
अपनी सत्ता के हित साधक,
चल रहे शकुनि बन कुटिल गोट।
लाओ कोई ऐसा नेता,
समदर्शी बन कर सके चोट।।

कावेरी विवाद पर विजय ने तोड़ी चुप्पी, कहा -'उन्होंने कर्नाटक के साथ बातचीत का प्रस्ताव रखा था'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने शुक्रवार को कहा कि कावेरी मुद्दे पर पड़ोसी राज्य कर्नाटक के साथ बातचीत का प्रस्ताव उन्होंने ही रखा था ताकि इस पर सकारात्मक परिणाम निकल सके। मुख्यमंत्री ने विधानसभा में कहा कि वह कावेरी मुद्दे पर ओछी राजनीति में नहीं पड़ना चाहते। कावेरी मुद्दा उठाने वाले विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन को जवाब देते हुए विजय ने 1969 के बाद से तमिलनाडु द्वारा इस मुद्दे को निपटाने के तरीकों को रेखांकित किया जिसमें बातचीत पर विचार करने से लेकर कानूनी रास्ता अपनाने तक के कदम शामिल हैं।इस पृष्ठभूमि पर उन्होंने कहा कि उनकी सरकार कावेरी मुद्दे पर कानूनी रूप से निपटने के लिए दृढ़ है। कांग्रेस के दिवंगत नेता एवं तमिलनाडु विधानसभा में पूर्व नेता प्रतिपक्ष पी. जी. करुथिरुमन को उद्धृत करते हुए विजय ने कहा, कावेरी मुद्दे को बहुत सावधानी से संभालने की जरूरत है। हालांकि, मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने सकारात्मक परिणाम की उम्मीद में बेंगलूरु जाकर बातचीत के जरिए इस मुद्दे का हल निकालने की कोशिश करने के बारे में विचार किया था।

विजय ने यह भी कहा कि तमिलनाडु के लोगों की खातिर कावेरी मुद्दे पर बातचीत करने के प्रयास में वह अपमान सहने के लिए भी ''तैयार'' थे। उन्होंने कहा कि वह सकारात्मक सोच के साथ कावेरी मुद्दे पर कर्नाटक जाने का प्रयास कर रहे थे। विजय ने कहा, ''मैंने सोचा कि अगर पड़ोसी राज्य के साथ बातचीत की जाए तो क्या हर्ज है, क्योंकि कट्टर दुश्मन माने जाने वाले देश भी समस्याओं को सुलझाने के लिए आपस में संवाद करते हैं।

कर्नाटक विधान परिषद के सभापति बसवराज होर्रट्टी ने इस्तीफा दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक विधान परिषद के सभापति बसवराज होर्रट्टी ने शुक्रवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस ने उनसे इस्तीफा देने को था। होर्रट्टी ने बाद में पत्रकारों से कहा कि कांग्रेस नेताओं ने उन्हें बताया था कि वे उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने वाले हैं। इस्तीफा देने से पहले होर्रट्टी ने मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार से मुलाकात की और कहा कि वह अपने पद से इस्तीफा दे देंगे। उन्होंने कहा, ''मैं अपना इस्तीफा पहले ही सौंप चुका हूं और अब यह मामला समाप्त हो चुका है।'' होरट्टी ने यह भी स्वीकार किया कि उन पर इस्तीफा देने का दबाव था। होर्रट्टी पहले जनता दल (सेक्युलर) में थे और कांग्रेस के राज्य की सत्ता में आने से एक साल पहले वह 18 मई, 2022 को भाजपा में शामिल हो गए थे। कर्नाटक विधानमंडल का सत्र 13 अगस्त से शुरू होगा।

परमात्मा से जुड़ने का सबसे मधुर मार्ग है भक्ति : आचार्य सुधांशु महाराज

कल रविवार को श्रीधाम आश्रम में सत्संग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां विश्व जागृति मिशन बेंगलूरु मंडल द्वारा जयनगर के पूर्णिमा कन्वेन्शन सेन्टर में तीन दिवसीय अमृत ज्ञान वर्षा महोत्सव का शुभारंभ शुक्रवार को मिशन के प्रमुख आचार्यश्री सुधांशुजी महाराज ने दीप जलाकर किया। इस अवसर पर व्यासपीठ के पूजन के उपरांत मिशन के अध्यक्ष आदित्य टांटिया, प्रमोद टांटिया, श्यामसुन्दर सुल्तानिया, सुभाष गोयल, राजेन्द्र गोयल सहित अन्य पदाधिकारियों ने आचार्यश्री का स्वागत एवं अभिनन्दन किया। ङ्कङ्कअमृत ज्ञान वर्षा के दौरान आचार्यश्री सुधांशुजी ने अपने प्रवचन में कहा कि परमात्मा से जुड़ने का सबसे मधुर मार्ग भक्ति ही है, जिसके लिए हमें मन से बैर भाव मिटाकर जीवन में संयम और शांति का नियम अपनाना चाहिए ताकि हम कभी किसी की अशांति का कारण न बनें्। एक सच्चे भक्त के जीवन के बारे में उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि एक वात्सल्यमयी मां अपने बच्चे को रोम-रोम की प्रेम तरंगों से दुलारती है। उसी निश्छल प्रेम और स्तुति के साथ जब हम परमात्मा से जुड़ते हैं तब वही रक्षकों का रक्षक हमारा सबसे सच्चा रक्षक बन जाता है और हमें हर प्राणी के दर्द को महसूस करने और दयावान बनने की प्रेरणा देता है।ङ्कमहाराजश्री ने कहा कि भागदौड़ भरी जिंदगी और वक्त की तेज रफ्तार के बीच जीवन कब किस मोड़ पर थम जाए और कौन सा अपना हमेशा के लिए बिछड़ जाए, कुछ कहा नहीं जा सकता; इसीलिए जीवन की अनिश्चितता को समझते हुए जब तक सांसें चल रही हैं, तब तक हमें हर एक पल का सही उपयोग करना चाहिए और सच्चे मन से ईश्वर की भक्ति में लीन होकर परमात्मा से अपने कल्याण की प्रार्थना कर लेनी चाहिए्। ङ्कउन्होंने कहा कि अपने बच्चे को संपत्ति देना ही जीवन की सच्ची सफलता नहीं है बल्कि उन्हें धर्म और संस्कारों से जोड़ना असली पूंजी है। इसलिए अपनी आने वाली पीढ़ी को धन-दौलत का नहीं, बल्कि धर्म और नैतिक मूल्यों का सच्चा वारिस बनाएं्। उन्होंने कहा कि जिसके मन में दया और करुणा का वास है, वही संसार का सबसे श्रेष्ठ और सच्चा मानव है।ङ्कविश्व जागृति मिशन बेंगलूरु मण्डल के प्रधान आदित्य टांटिया ने बताया कि चार सत्रों में यह अमृत ज्ञान वर्षा महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, जिसका समापन रविवार को श्रीधाम आश्रम में सत्संग के उपरान्त नागरिक अभिनन्दन व महाआरती के साथ होगा। उन्होंने बताया कि शनिवार को सुबह एवं सायंकाल कार्यक्रम पूर्णिमा कन्वेंशन सेन्टर में रहेगा। इस मौके पर पूर्व प्रधान स्वर्गीय के.के. टांटिया को परम पूज्य महाराजश्री ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

ऊर्जा के केंद्र हैं शक्ति पीठ : पंडित पवन शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बिन्नी मिल रोड स्थित ईटा अपार्टमेंट में सखी मंडल द्वारा श्रवण मास में आयोजित तीन दिवसीय शिव पार्वती विवाह कथा के दूसरे दिन सती का अपने पिता दक्ष के यज्ञ में अपने प्राण त्याग देने की मार्मिक कथा सुनाते हुए पंडित पवन शर्मा ने कहा कि जहां जहां सती के अंग गिरे वहां-वहां 51 शक्तिपीठों का निर्माण हुआ्।

शक्ति पीठ असीमित ऊर्जा के केंद्र हैं्। शक्तिपीठ पर किया गया तप, अनुष्ठान, साधना शीघ्र सफल होती है। प्राण त्याग करते समय सती ने भगवान विष्णु से हर जन्म में शिव ही प्राप्त हो ऐसा वरदान मांगा था इसीलिए हिमाचल की दृढ़ स्थिरता में नवीन श्रद्धा के रूप में पार्वती का जन्म हुआ्। कथा में बड़ी संख्या में श्रोता उपस्थित थे।

साइबर धोखाधड़ी में आंध्र प्रदेश की महिला ने गंवाए 1.43 करोड़ रुपये

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मछलीपट्टनम/भाषा। आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले की एक महिला ने दावा किया है कि साइबर ठगों ने खुद को दिल्ली पुलिस का अधिकारी बताकर उसे धनशोधन के एक झूठे मामले में फंसाया और उससे करीब 1.43 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी कर ली। कृष्णा जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) विद्या सागर नायडू ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि महिला की शिकायत के आधार पर लगभग दो दिन पहले भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और अन्य प्रासंगिक कानूनों की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया।

नायडू ने कहा, 'हमने इस संबंध में मामला दर्ज किया है। यह 'डिजिटल अरेस्ट' धोखाधड़ी है। इसे लेकर विशेष रूप से बुर्जुगों के बीच लगातार चलाए गए जागरूकता अभियानों के बावजूद, कुछ लोग अभी भी ऐसे ठगों का शिकार हो जाते हैं। जब तक पीड़ित पुलिस से संपर्क करते हैं, तब तक अक्सर पैसे निकाल लिए जाते हैं, लेकिन हम मामला दर्ज करते हैं और हर शिकायत की जांच करते हैं। मछलीपट्टनम के पारसपेट की निवासी पीड़िता वी अलिवेलु मंगम्मा ने बृहस्पतिवार को संवाददाताओं को बताया, दिल्ली पुलिस के अधिकारी बनकर लोगों ने मुझे धनशोधन के एक झूठे मामले में फंसाया। उन्होंने गैर-जमानती वारंट जारी होने की बात कहकर भारत के प्रधान न्यायाधीश के नाम का भी डर दिखाया। इसके बाद धमकियों और धोखे के जरिए मुझसे 1.43 करोड़ रुपये से अधिक की राशि हस्तांतरित करवा ली। मंगम्मा ने आरोप लगाया कि ठगों ने फॉरेंसिक जांच के बहाने उनसे बैंक खातों की रकम हस्तांतरित करने के लिए कहा। झांसे में आकर उन्होंने आरटीजीएस के जरिये 1.43 करोड़ रुपये भेज दिए। बाद में ठगों ने 95 लाख रुपये और भेजने की मांग करते हुए संपत्ति जब्त करने की धमकी दी। पीड़िता ने बताया कि संदेह होने पर उन्होंने तुरंत अमेरिका में रह रहे अपने बेटे को इसकी जानकारी दी। बेटे की सलाह पर उन्होंने एक स्वयंसेवी संगठन के सदस्यों की मदद से पुलिस से संपर्क किया।

केरल में बारिश से करीब 100 करोड़ रुपये की फसल बर्बाद हुई, केंद्र से 110 करोड़ रुपये की सहायता मांगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। केरल के कृषि मंत्री टी. सिद्दीकी ने शुक्रवार को कहा कि केरल में जारी बारिश और बाढ़ से फसलों को हुए नुकसान का शुरुआती अनुमान 99.29 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जबकि राज्य ने राहत और पुनर्निर्माण कार्यों के लिए केंद्र से 110 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता मांगी है। सिद्दीकी ने यहां पत्रकारों से कहा कि बृहस्पतिवार तक बारिश और बाढ़ से 36,829 किसान प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा, 3,264 हेक्टेयर कृषि भूमि में फसल के नुकसान की खबर है। बृहस्पतिवार शाम तक फसल के नुकसान का अनुमानित आंकड़ा 99.29 करोड़ रुपये है। यह सिर्फ शुरुआती आकलन है और जैसे-जैसे और रिपोर्ट आएंगी, इस आंकड़े के बढ़ने की उम्मीद है। मंत्री ने कहा कि उन्होंने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखकर 110 करोड़ रुपये की तत्काल वित्तीय सहायता की मांग की है।

सिद्दीकी ने कहा, ''मांगी गई मदद में फसल के नुकसान के लिए 100 करोड़ रुपये और मिट्टी की उपजाऊ क्षमता को बहाल करने, खेती दोबारा शुरू करने और किसानों को जरूरी सहायता उपलब्ध कराने के लिए 10 करोड़ रुपये शामिल हैं। बाढ़ के बाद एक बड़ी समस्या मिट्टी के पोषक तत्वों का नुकसान होता है, जिससे भविष्य की खेती पर असर पड़ता है। हमें कृषि भूमि को ठीक करने और किसानों को फिर से खेती शुरू करने में मदद करने के लिए तुरंत सहायता की जरूरत है।''

उन्होंने कहा कि राज्य के बाढ़ प्रभावित इलाकों में पोषक तत्वों की कमी का पता लगाने के लिए मिट्टी की जांच की सुविधाएं शुरू की जाएंगी। उन्होंने कहा, ''सभी बाढ़ प्रभावित इलाकों में मिट्टी की जांच की जाएगी और मिट्टी की उपजाऊ क्षमता को फिर से ठीक करने के उपायों को एक मिशन के तौर पर लागू किया जाएगा।'' उन्होंने यह भी घोषणा की कि सोमवार को वित्तीय संस्थानों की एक विशेष बैठक बुलाई गई है, जिसमें सहकारी बैंक, राष्ट्रीयकृत बैंक, कृषि विभाग, वित्त विभाग और अन्य एजेंसियां शामिल होंगी।

प्रशांत किशोर के सुनील तटकरे को हटाने की सलाह देने संबंधी खबरों को रांकापा ने किया खारिज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। राकांपा के एक प्रवक्ता ने शुक्रवार को बताया कि रणनीतिकार से राजनेता बने प्रशांत किशोर ने पार्टी प्रमुख और महाराष्ट्र की उप मुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के साथ बैठक में संगठन को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। साथ ही, प्रवक्ता ने उन अफवाहों को भी खारिज कर दिया कि किशोर ने राज्य इकाई के प्रमुख सुनील तटकरे को हटाने की सलाह दी थी। सुनेत्रा पवार के साथ किशोर की मुलाकात के एक दिन बाद, दूसरी जगह बात करते हुए तटकरे ने भी कहा कि ऐसी अटकलें बेबुनियाद हैं, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि क्या बातचीत हुई। जन सुराज पार्टी के प्रमुख किशोर ने हाल ही में पटना के बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में बड़ी जीत हासिल की है। उन्होंने बृहस्पतिवार को दक्षिण मुंबई में सुनेत्रा पवार के सरकारी आवास देवगिरी' पर उनसे मुलाकात की।

राकांपा के प्रवक्ता सूरज चव्हाण ने बताया कि संगठन को फिर से खड़ा करने के मामले में सलाह दे रहे किशोर ने सुनेत्रा पवार, उनके सांसद बेटे पार्थ पवार और वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की। उन्होंने कहा, यह पार्टी को मजबूत करने और यह सुनिश्चित करने के लिए एक आंतरिक बैठक थी कि सरकार के विकास कार्यक्रम जमीनी स्तर तक पहुंचें। चव्हाण ने उन अटकलों को खारिज कर दिया कि किशोर ने राकांपा के प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे के काम करने के तरीके पर नाराजगी जताई थी और उन्हें हटाने की सलाह दी थी।

पार्थ पवार ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में मीडिया में आई उन खबरों को खारिज कर दिया, जबकि राकांपा नेता और महाराष्ट्र के मंत्री नरहरि जिरवाल ने भी पत्रकारों के पूछने पर इन अटकलों को नकार दिया। यह दूसरी बार था जब अलग-अलग राजनीतिक विचारधारा वाले नेताओं के लिए रणनीतिकार के तौर पर काम कर चुके किशोर ने जनवरी में एक विमान दुर्घटना में अजित पवार की मौत के बाद सुनेत्रा पवार से मुलाकात की थी। सुनील तटकरे ने पत्रकारों से कहा कि उन्हें नहीं पता कि किशोर को पार्टी ने (सलाहकार के तौर पर) नियुक्त किया है या नहीं, और क्या उन्होंने राज्य के नेतृत्व में किसी बदलाव की सलाह दी है। तटकरे ने दावा किया कि ये दावे बेबुनियाद थे कि किशोर ने उनके काम करने के तरीके पर नाखुशी जाहिर की थी। उन्होंने संवाददाताओं को बताया, मैंने पढ़ा है कि प्रशांत किशोर उनसे मिले थे, लेकिन मुझे ठीक-ठीक नहीं पता कि क्या बातचीत हुई। जहां तक मुझे पता है, उनकी नियुक्ति नहीं हुई है। अगर उनकी नियुक्ति हुई होती, तो मुझे जरूर पता होता। जब तक मेरे पास ऐसी कोई जानकारी नहीं है, मैं बस यही कह सकता हूं कि कोई नियुक्ति नहीं हुई है।''

खिलौने वाले इलेक्ट्रिक स्कूटर के टायर में छिपाकर लाया गया सोना जब्त

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर जेद्दा से मुंबई होते हुए पहुंचे एक यात्री को सोने की तस्करी करने के आरोप में पकड़ा गया, जिसे उसने खिलौने वाले इलेक्ट्रिक स्कूटर के टायर में छिपाया हुआ था। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, खुफिया सूचना और यात्री की जानकारी के आधार पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने छह अगस्त को हवाई अड्डे के टर्मिनल-एक पर दिल्ली पहुंचने के बाद यात्री को रोक लिया। बयान में कहा गया कि यात्री जेद्दा से मुंबई और वहां से दिल्ली पहुंचा था। उसके पंजीकृत सामान में घरेलू उपयोग की वस्तुओं के साथ खिलौने वाला एक इलेक्ट्रिक स्कूटर भी था।

सीमा शुल्क विभाग के अनुसार, बैग और पंजीकृत सामान की 'एक्स-रे' जांच के दौरान अधिकारियों को कुछ संदिग्ध चीजें दिखाई दीं। हालांकि, डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर (डीएफएमडी) से गुजरते समय कोई चेतावनी संकेत नहीं मिला, फिर भी अधिकारियों ने इलेक्ट्रिक स्कूटर की गहन जांच की।

जांच के दौरान इलेक्ट्रिक स्कूटर के टायरों के भीतर बेहद चालाकी से छिपाकर रखे गए 24 कैरट सोने के 19 कटे हुए टुकड़े बरामद किए गए, जिनका कुल वजन 869.5 ग्राम था। अधिकारियों के अनुसार, इन्हें तस्करी के उद्देश्य से छिपाया गया था। सीमा शुल्क विभाग ने इस संबंध में तस्करी का मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

कर्जमाफी योजना के तहत महाराष्ट्र के किसानों के खातों में 5,000 करोड़ रुपये से अधिक जमा : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार ने 'कृषि ऋण माफी योजना' के तहत राशि जारी करना शुरू कर दिया है। आधार प्रमाणीकरण पूरा होने के बाद 6.22 लाख किसानों के बैंक खातों में 5,000 करोड़ रुपये से अधिक की कर्जमाफी राशि जमा कर दी गई है।

इस वर्ष शुरू की गई इस 'पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होल्कर कृषि ऋण माफी योजना' के तहत पात्र किसानों के दो लाख रुपये तक के अल्पकालिक फसल ऋण माफ किए जा रहे हैं। योजना में वर्ष 2019 से 2025 के बीच लिए गए ऋण शामिल हैं।

फडणवीस ने संवाददाताओं से कहा, पहली सूची में करीब 16 लाख किसानों के नाम थे, जिसे जमीन के सत्यापन के लिए भेजा गया था। आधार प्रमाणीकरण के बाद करीब 6.22 लाख किसानों की पहली सूची अंतिम रूप से तैयार हुई और आज उनके बैंक खातों में 5,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जमा कर दी गई। उन्होंने कहा कि जिन पात्र किसानों का आधार प्रमाणीकरण पूरा हो जाएगा, उन्हें तुरंत योजना का लाभ मिल जाएगा।

फडणवीस ने कहा, हमारी तैयारियां पूरी हैं। यदि हमें एक दिन में प्रमाणित आंकड़े मिल जाते हैं, तो हम एक दिन में राशि हस्तांतरित कर सकते हैं। एकमात्र शर्त यह है कि हर किसान अपना आधार प्रमाणीकरण पूरा करे। एक बार वह हो जाने पर, प्रक्रिया स्वचालित हो जाती है और राशि जमा हो जाती है। राज्य में विपक्षी दल महायुति सरकार पर आरोप लगा रहे हैं कि पात्रता के कड़े नियमों और तकनीकी शर्तों के कारण संकटग्रस्त 50 प्रतिशत से अधिक किसानों को योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने शेगांव मंदिर में किए दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बुलढाणा/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को जिले के शेगांव स्थित संत गजानन महाराज की समाधि पर पहुंचकर प्रार्थना की।

उन्नीसवीं सदी के संत और रहस्यवादी गजानन महाराज की इस समाधि पर हर साल लाखों श्रद्धालु आते हैं। अधिकारियों ने बताया कि स्वयंसेवकों ने भागवत को मंदिर न्यास की शैक्षणिक और सामुदायिक कल्याण गतिविधियों की जानकारी दी।

आरएसएस प्रमुख का यह दौरा दो दिवसीय यात्रा का हिस्सा है। इस दौरान वह पूर्वी महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले में आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। उनकी यात्रा से पहले मंदिर परिसर और शहर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई।

बंगाल ने अभिनेता उत्तम कुमार की जन्म शताब्दी से जुड़े समारोह के लिए समिति गठित की

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल सरकार ने बांग्ला फिल्मों के महान अभिनेता उत्तम कुमार की जन्म शताब्दी के अवसर पर सालभर चलने वाले समारोहों के प्रबंधन के लिए एक उच्चस्तरीय सलाहकार समिति का गठन किया है, जिसके मुख्य संरक्षक मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी होंगे। एक आधिकारिक अधिसूचना में यह जानकारी दी गयी है।

अधिसूचना में कहा गया है कि दिग्गज अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती और सूचना एवं सांस्कृतिक मामलों की राज्य मंत्री पूर्णिमा चक्रवर्ती को समिति का सह-संरक्षक नियुक्त किया गया है। फिल्मकार संदीप रे को समिति का अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि अभिनेता प्रसेनजीत चटर्जी को कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

राज्य के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि सूचना एवं सांस्कृतिक मामलों के विभाग के सचिव सौमित्र मोहन समिति के सदस्य-सचिव के रूप में काम करेंगे और सालभर चलने वाले कार्यक्रमों की योजना तथा उनके क्रियान्वयन का

जान जोखिम में डालकर छात्रों के नदी पार करने को लेकर एनएचआरसी का मप्र सरकार को नोटिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

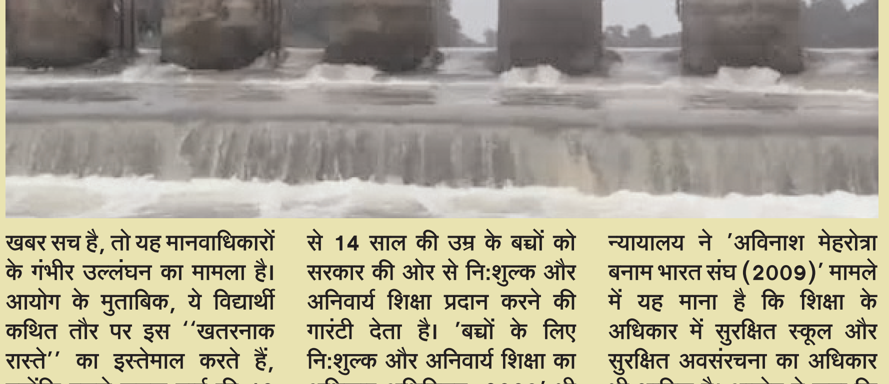

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने शुक्रवार को कहा कि उसने मध्यप्रदेश सरकार को उन खबरों के सिलसिले में एक नोटिस जारी किया है, जिनमें दावा किया गया है कि विदिशा जिले में कई विद्यार्थी स्कूल पहुंचने के लिए बेतवा नदी पार करते समय अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं।

आयोग ने एक बयान में कहा है कि उसने विदिशा जिले में स्कूल जाने के लिए बेतवा नदी पार करते समय 'चेक डैम' के खंभों पर कूदकर अपनी जान जोखिम में डालने वाले स्कूली विद्यार्थियों के बारे में मीडिया में आई एक खबर का स्वतः संज्ञान लिया है। एनएचआरसी ने कहा कि अगर यह खबर सच है, तो यह मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघन का मामला है। आयोग के मुताबिक, ये विद्यार्थी कथित तौर पर इस ''खतरनाक रास्ते'' का इस्तेमाल करते हैं, क्योंकि इससे सड़क मार्ग की 13 किलोमीटर की दूरी घटकर सिर्फ 1.5 किलोमीटर रह जाती है। एनएचआरसी ने कहा है कि संविधान का अनुच्छेद 21ए, छह से 14 साल की उम्र के बच्चों को सरकार की ओर से नि:शुल्क और अनिवार्य शिक्षा प्रदान करने की गारंटी देता है। 'बच्चों के लिए नि:शुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009' भी छह से 14 साल की उम्र के हर बच्चे के लिए शिक्षा को एक अधिकार बनाता है। इसके अलावा, आयोग ने उल्लेख किया कि उच्चतम न्यायालय ने 'अविनाश मेहरोत्रा बनाम भारत संघ (2009)' मामले में यह माना है कि शिक्षा के अधिकार में सुरक्षित स्कूल और सुरक्षित अवसंरचना का अधिकार भी शामिल है। आयोग ने कहा कि ''बच्चों के स्कूल पहुंचने के लिए सुरक्षित परिवहन का न होना गरिमापूर्ण तरीके से शिक्षा पाने के उनके मूल अधिकार का उल्लंघन है।'' इसी के तहत, आयोग ने मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव को नोटिस जारी कर दो हफ्ते में इस पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। बयान में कहा गया है कि चार अगस्त को मीडिया में आई एक खबर के अनुसार, 'खुले हुए चेक डैम' के खंभों के बीच बने चौड़े अंतराल को बच्चों के खतरनाक तरीके से कूदकर पार करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। बताया जाता है कि एक छात्रा अपनी वार्षिक परीक्षा में अनुतीर्ण हो गई, क्योंकि वह स्कूल नहीं जा सकी थी। छोटे कद की वजह से वह खंभों को पार नहीं कर सकी थी। जिला शिक्षा अधिकारी ने उक्त स्थान का दौरा किया और कलेक्टर को इस समस्या के बारे में बताया। हालांकि, आयोग ने कहा कि नदी पार करने के लिए सुरक्षित रास्ता बनाने की समय-सीमा के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

जश्न

शुक्रवार को बेंगलूरु में विधानपरिषद की नई सदस्य एवी गायत्री शांतेगौड़ा ने स्पीकर बसवराज होर्रट्टी के ऑफिस में मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार की मौजूदगी में शपथ ली। केपीसीसी के अध्यक्ष बीके हरिप्रसाद, मंत्री नरेंद्रस्वामी, विधानपरिषद के मुख्य व्हिप सलीम अहमद, विधायक प्रकाश कोलीवाड़, परिषद के सदस्य एस. रवि, इवान डिसूजा, एच.पी. सुधामदास और दूसरे लोग मौजूद थे।

कर्नाटक विधान परिषद के सभापति होर्रट्टी ने दिया इस्तीफा / भाजपा ने किया कड़ा विरोध

स्वेच्छा से दिया इस्तीफा, लेकिन दबाव था : होर्रट्टी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक विधान परिषद के सभापति बसवराज होर्रट्टी ने शुक्रवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस सरकार ने उनसे इस्तीफा देने को कहा था। होर्रट्टी ने बाद में पत्रकारों से कहा कि कांग्रेस नेताओं ने उन्हें बताया था कि वे उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने वाले हैं। इस्तीफा देने से पहले होर्रट्टी ने मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार और कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष बी के हरिप्रसाद से मुलाकात की और कहा कि वह अपने पद से इस्तीफा दे देंगे। अपने त्यागपत्र में उन्होंने लिखा कि वह 'स्वेच्छा से' इस्तीफा दे रहे हैं। उन्होंने कहा, ''मैं अपना इस्तीफा पहले ही सौंप चुका हूं और अब यह मामला समाप्त हो चुका है।'' होर्रट्टी ने यह भी स्वीकार किया कि उन पर इस्तीफा देने का दबाव था। होरट्टी पहले जनता दल (एस) में थे और कांग्रेस के राज्य की सत्ता में आने से एक साल पहले वह 18 मई, 2022 को भाजपा में शामिल हो गए थे। कर्नाटक विधानमंडल का सत्र 13 अगस्त से शुरू होगा।

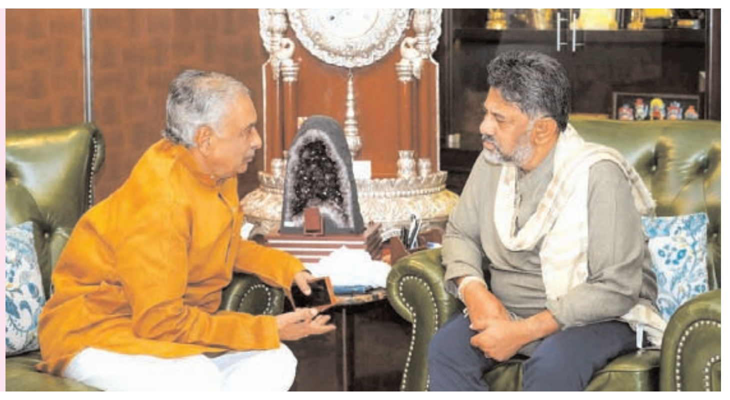

शिवकुमार ने पत्रकारों से कहा कि उनकी होर्रट्टी के साथ बैठक हुई थी, जिसमें उन्होंने उन्हें राजनीति की 'वास्तविक स्थिति' के बारे में समझाया था। शिवकुमार ने कहा, ''उन्होंने (होर्रट्टी ने) आज बहुत सम्मानपूर्ण तरीके से अपना इस्तीफा सौंप दिया है और इसे स्वीकार कर लिया गया है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने उनसे (होर्रट्टी से) नये सभापति के चुने जाने तक सभापति के रूप में बने रहने का अनुरोध किया है।

शिवकुमार ने कहा, 14 अगस्त को विधान परिषद के सभापति के लिए चुनाव होगा। उपसभापति के लिए भी चुनाव होगा और वह (होरट्टी) अस्थायी सभापति के रूप में कार्य करेंगे। उपसभापति के चुने जाने के बाद, हम उसी शाम परिषद के सभापति के चुनाव की प्रक्रिया पूरी करेंगे। इस मुद्दे पर विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला।

कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर अशोक ने आरोप लगाया, गुंडागर्दी चल रही है। मुख्यमंत्री खुद सभी को विधान परिषद के सभापति के कक्ष में ले गए और उन पर इस्तीफा देने का दबाव बनाया। उन्हें लगभग एक घंटे तक वहीं बैठाकर दबाव डाला गया। यह कर्नाटक विधान परिषद के लिए शर्मनाक है। आज तक किसी भी सभापति को ऐसे अपमान का सामना नहीं करना पड़ा। उन्होंने यह भी दावा किया कि कांग्रेस सरकार ने संविधान के विपरीत कार्रवाई कर उसका अपमान किया है। भाजपा नेता ने कहा कि होर्रट्टी पहले ही घोषणा कर चुके थे कि वह 14 अगस्त को सदन आएंगे, सभी सदस्यों का धन्यवाद करेंगे और उसके बाद अपना इस्तीफा सौंप देंगे। अशोक ने आरोप लगाया, ''लेकिन जिस तरह वे अचानक वहां घुस आए और ऐसा किया (होर्रट्टी का इस्तीफा लिया), यह देखने वाली बात है।''

भाजपा सांसद एवं पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने भी होर्रट्टी को हटाए जाने को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा। बोम्मई ने एक बयान में कहा, देश के सबसे वरिष्ठ विधान परिषद सदस्य होने का गौरव रखने वाले बसवराज होरट्टी को सभापति पद से हटाने के लिए कांग्रेस सरकार ने जिस तरह से कार्रवाई की, वह किसी भी स्वस्थ परंपरा के अनुरूप नहीं है। उन्होंने कहा कि यह सभापति पद की गरिमा और संविधान का अपमान है तथा यह कर्नाटक विधान परिषद के इतिहास में एक गलत परंपरा और ''काला धब्बा'' बनकर रहेगा। बोम्मई ने कहा कि होरट्टी ने विधान परिषद सदस्य, मंत्री और सभापति के रूप में लगातार 46 वर्षों तक उत्कृष्ट सेवा प्रदान की है।

उन्होंने कहा, होर्रट्टी दलगत भावना से ऊपर उठकर मुद्दा-आधारित राजनीति करने के लिए जाने जाते हैं। हालांकि, उन्हें मुख्यमंत्री के आवास पर बुलाना, विधान सौध के अंदर ही उन पर इस्तीफा देने का दबाव बनाना और केवल पांच मिनट के भीतर उनका इस्तीफा स्वीकार कर इसकी घोषणा कर देना, सरकार की दुर्भावनापूर्ण मंशा को दर्शाता है।'' उन्होंने कहा कि पूरी प्रक्रिया ने सभी स्वस्थ परंपराओं का उल्लंघन किया, सभापति पद की गरिमा को ठेस पहुंचाई और संविधान का अपमान किया।

कैबिनेट में बंटवारे से पहले अहम विभागों के लिए लॉबिंग करने में जुटे मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में नए मंत्रियों को शुक्रवार शाम तक विभाग मिलने की उम्मीद है। इसे लेकर कांग्रेस के भीतर जबरदस्त लॉबिंग शुरू हो गई है और कई मंत्री अहम विभाग पाने की होड़ में हैं। वहीं, विधानसभा सत्र से पहले मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार विधायकों की नाराजगी को शांत करने की कोशिश में जुटे हैं। कहा जा रहा है कि श्रम, समाज कल्याण, वित्त, योजना और उच्च शिक्षा जैसे अहम विभागों की सबसे ज्यादा मांग है और कई मंत्रियों ने पार्टी नेतृत्व को अपनी पसंद बता दी है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और हाल ही में मंत्री बने बसवराज रायरेड्डी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री के पूर्व वित्त सलाहकार के तौर पर अपने अनुभव का हवाला देते हुए वित्त विभाग की कमान संभालने की अपनी इच्छा खुलकर जाहिर की।

रायरेड्डी ने पत्रकारों से कहा, मैंने मुख्यमंत्री के वित्त सलाहकार के तौर पर काम किया है। पार्टी ने सभी की खूबियों को परखा होगा। अगर मुझे वित्त विभाग की ज़िम्मेदारी दी जाती है, तो मैं इसका स्वागत करूंगा। मेरी दिलचस्पी सिर्फ टैक्स कलेक्शन में है। मुख्यमंत्री को ही बजट तैयार करने और पेश करने दें। मुझे तबादले के अधिकार भी नहीं चाहिए। चपरासी से लेकर आईएएस अफसर तक किसी का भी तबादला करने का अधिकार मुख्यमंत्री अपने पास रख सकते हैं।

उन्होंने कहा कि अगर उन्हें वित्त विभाग नहीं दिया जाता है, तो वे किसी भी विकास-उन्मुख विभाग में काम करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, मैं 24 घंटे काम करता हूं। मेरी दिलचस्पी प्लानिंग डिपार्टमेंट में भी है, जिसे कोई और नहीं लेना चाहता। गोविंदराव कमेटी की रिपोर्ट को लागू करने की जरूरत है और इसमें मेरी व्यक्तिगत दिलचस्पी है। मुझे जो भी पोर्टफोलियो दिया जाएगा, मैं पूरी निष्ठा के साथ काम करूंगा।

कांग्रेस ने 3 अगस्त को कैबिनेट में 19 मंत्रियों को शामिल किया लेकिन अभी तक विभागों का बंटवारा नहीं हुआ है, जिसके कारण पार्टी के भीतर जबरदस्त लॉबिंग चल रही है। हाल ही में मंत्री पद की शपथ लेने वाले पी. नरेंद्रस्वामी और शिवराज तंगदगी, जो दोनों ही वंचित समुदायों से आते हैं। माना जा रहा है कि वे समाज कल्याण विभाग की मांग कर रहे हैं। वहीं, खाद्य और नागरिक आपूर्ति मंत्री और सात बार सांसद रहे के.एच. मुनियप्पा पहले ही सार्वजनिक रूप से कह चुके हैं कि वे अपने मौजूदा विभाग से खुश नहीं हैं और किसी अहम विभाग की उम्मीद कर रहे हैं।

इस दौरान, राजनीतिक गतिविधियां बेंगलूरु में ही केंद्रित रही हैं और कई मंत्री अहम विभागों का कामकाज संभालने के लिए राज्य की राजधानी में ही रुके हुए हैं। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, दावणगेरे जिले के मंत्री के.एस. बसवंथप्पा और एस.एस. मल्लिकार्जुन मुख्यमंत्री शिवकुमार के मंत्रियों को अपने ज़िलों का दौरा करने और सूखे की मौजूदा स्थिति का जायजा लेने के निर्देश के बावजूद लीडरशिप से बातचीत के लिए बेंगलूरु में ही रुके हुए हैं। पोर्टफोलियो आवंटन की यह कवायद उन विधायकों के बीच बढ़ते असंतोष के बीच हो रही है, जिन्हें हालिया विस्तार के दौरान कैबिनेट में जगह नहीं मिली थी।

नाराज नेताओं को मनाने की कोशिशों के तहत मुख्यमंत्री के पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ पूर्व मंत्री एम.सी. सुधाकर से मुलाकात करने की उम्मीद है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, 40 विधायक विधानसभा सत्र के पहले दिन बैठक करने की योजना बना रहे हैं। अगर मतभेद नहीं सुलझाए गए, तो यह घटनाक्रम सरकार के लिए राजनीतिक रूप से शर्मनाक साबित हो सकता है। इसलिए, मुख्यमंत्री शिवकुमार ने वरिष्ठ नेताओं और असंतुष्ट विधायकों से संपर्क बढ़ा दिया है।

मुलाकात

मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, केपीसीसी अध्यक्ष बी.के. हरिप्रसाद और एमएलसी सलीम अहमद के साथ बेंगलूरु के विधान सौधा स्थित उनके चैंबर में कर्नाटक विधान परिषद के सभापति बसवराज होरट्टी से मुलाकात करते हुए।

कर्नाटक सरकार करेगी बड़े पैमाने पर भर्ती, स्वास्थ्य बीमा का दायरा भी बढ़ेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री यू.टी. खादर ने राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए बड़े पैमाने पर स्वास्थ्यकर्मियों की भर्ती, नागरिकों, सरकारी कर्मचारियों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य बीमा का दायरा बढ़ाने तथा आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को मजबूत करने सहित कई महत्वपूर्ण पहलों की घोषणा की है। बृहस्पतिवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में खादर ने कहा कि राज्य सरकार ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) में चिकित्सकों, नर्सों, फार्मासिस्ट और प्रयोगशाला तकनीशियनों की भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाई है।

उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ महीने के दौरान लगभग 200 एमबीबीएस चिकित्सक सरकारी सेवा में शामिल हुए हैं, जबकि करीब 1,000 स्वास्थ्यकर्मियों की भर्ती प्रक्रिया जारी है। इसके अतिरिक्त स्वास्थ्य विभाग में 3,000 और पदों पर नियुक्ति को भी मंजूरी दे दी गई है। खादर ने बताया कि आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को और प्रभावी बनाने के लिए सरकार 450 नई 108' एम्बुलेंस सेवा में शामिल करेगी। इसके बाद राज्य में एम्बुलेंस की कुल संख्या बढ़कर 750 से अधिक हो जाएगी।

उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि शहरी क्षेत्रों में 15 मिनट और ग्रामीण क्षेत्रों में 20 मिनट के भीतर एम्बुलेंस मरीज तक पहुंच जाए। इसके अलावा, यातायात की दृष्टि से अत्यधिक व्यस्त शहरों में त्वरित आपात सहायता उपलब्ध कराने के लिए 100 मोटरसाइकिल एम्बुलेंस भी शुरू की जाएंगी। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि 'आयुष्मान कर्नाटक' स्वास्थ्य बीमा योजना को और सुदृढ़ बनाया जाएगा, ताकि सरकारी अस्पतालों से रेफर किए गए मरीजों का निजी अस्पतालों में भी बिना अतिरिक्त खर्च के उपचार सुनिश्चित किया जा सके।

उन्होंने कहा कि सरकार इस योजना का लाभ गरीबी रेखा से ऊपर (एपीएल) वर्ग के पात्र परिवारों तक भी पहुंचाने पर विचार कर रही है। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य सरकार सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारियों के लिए 'संध्या किरण' नामक स्वास्थ्य योजना तथा 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए वयो वंदना' योजना शुरू करने की तैयारी कर रही है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि इन दोनों प्रस्तावों को केंद्र सरकार की मंजूरी मिलने की प्रतीक्षा है।

परिवार की ओर से रिश्ते का विरोध किए जाने के बाद नेपाल की युवतियों ने की आत्महत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां येलहंका में नेपाल की दो युवतियों ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि उन्हें साथ रहने से रोका गया था। शुरुआती जांच से पता चला है कि दोनों रिलेशनशिप में थीं और उन्हें लगा कि सामाजिक और पारिवारिक दबाव के कारण उनका कोई भविष्य नहीं है।

पुलिस के मुताबिक, शुरुआती जांच से पता चला है कि मरने वाली युवतियों के बीच रिश्तेदारी थी और वे नेपाल में एक साथ पली-बढ़ी थीं। इनकी पहचान सिरजना (22) और रीता (23) के तौर पर हुई है। जांच करने वालों ने बताया कि दोनों ने साथ पढ़ाई की थी और बचपन से ही वे एक-दूसरे के बहुत करीब थीं। समय के साथ उनके बीच प्यार हो गया। कहा जाता है कि उनके अपने गांव के लोगों ने उनके रिश्ते पर सवाल उठाए, उन्हें अक्सर ताने मारे जाते थे और उनकी नजदीकियों को लेकर उन पर दबाव डाला जाता था। पुलिस ने बताया कि दोनों को अलग करने की उम्मीद में उनके रिश्तेदार लगभग एक महीने पहले दोनों युवतियों को बेंगलूरु लाए थे। हालांकि, उन्हें साथ रहने देने के बजाय परिवारों ने कथित तौर पर उन्हें अलग-अलग इलाकों में रखा। रीता फ्रेजर टाउन में रह रही थी, जबकि सिरजना को कई किलोमीटर दूर जक्कूर में रखा गया था।

अलग होने के बावजूद खबरें हैं कि वे दोनों हफ्ते में तीन-चार बार मिलती रहीं और अक्सर किसी रिश्तेदार के घर लंच के लिए इकट्ठा होती थीं। इन मुलाकातों के दौरान परिवार के सदस्यों ने कथित तौर पर दोनों युवतियों की पुरुषों से शादी कराने की योजना पर बात की और उनसे कहा कि समाज उनके पार्टनर के तौर पर साथ रहने को कभी स्वीकार नहीं करेगा। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, अलग होने से हुई भावनात्मक परेशानी, शादी का दबाव और उनके रिश्ते को समाज की मंजूरी न मिलना। इन वजहों से कथित तौर पर उन दो युवतियों ने यह कदम उठाया।

गुरुवार को येलहंका के जक्कूर रोड पर शिवनाहल्ली में किसर होटल के सामने एक पेड़ से दो युवतियों के शव लटके हुए मिले थे। शुरुआत में मृतकों की पहचान नेपाल की रहने वाली सिरजना (24) और रीता (24) के तौर पर की गई।

सरकारी नियंत्रण से हिंदू मंदिरों को मुक्त कराने के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान चलाएगा विहिप : आलोक कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि विहिप सरकार के नियंत्रण वाले हिंदू मंदिरों को श्रद्धालुओं और हिंदू समाज के सुपुर्द करने की मांग को लेकर राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू करेगा। कुमार ने बृहस्पतिवार को यहां संवाददाताओं से कहा कि संगठन 2026 में देशभर में मंदिर मुक्ति आंदोलन' को तेज करेगा जिसके तहत हिंदू मंदिरों पर सरकारी नियंत्रण समाप्त करने की मांग को लेकर विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों, राज्यपालों, सांसदों और विधायकों से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपे जाएंगे।

उन्होंने बताया कि विहिप की प्रमुख शहरों में जनसभाएं आयोजित करने की भी योजना है। इन सभाओं में वरिष्ठ नागरिकों, धर्माचार्यों तथा विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियों को शामिल कर आंदोलन के पक्ष में जनसमर्थन जुटाया जाएगा। मंदिर प्रशासन में अधिक पारदर्शिता की आवश्यकता पर बल देते हुए कुमार ने कहा कि मंदिरों का प्रबंधन पेशेवर ढंग से होना चाहिए। इसके लिए अनुभवी मुख्य कार्यकारी अधिकारियों की नियुक्ति आवश्यक है, जो प्रशासनिक व्यवस्था संभालने के साथ-साथ श्रद्धालुओं के दान के दुरुपयोग पर भी प्रभावी रोक लगा सकें। अयोध्या स्थित राम मंदिर में दान राशि के कथित दुरुपयोग के संदर्भ में उन्होंने कहा कि मंदिर न्यास ने स्वयं इस कथित गबन का संज्ञान लिया, प्राथमिकी दर्ज कराई और विशेष जांच दल (एसआईटी) से जांच कराने की मांग की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है। साथ ही कहा कि यदि कोई दोषी पाया जाता है तो उसके विरुद्ध न्यायालय में त्वरित सुनवाई कर उसे सख्त सजा दी जानी चाहिए।

कुमार ने दावा किया कि अयोध्या प्रकरण में किसी भी साधु-संत का नाम सामने नहीं आया, लेकिन कुछ लोगों द्वारा भगवा वस्त्र पहनकर विरोध-प्रदर्शन करने से सनातन धर्म की छवि को नुकसान पहुंचा। उन्होंने कहा कि समाज और श्रद्धालु आगामी चुनावों में इसका उचित जवाब देंगे।

रेणुकास्वामी हत्याकांड : एक आरोपी ने सरकारी गवाह बनने की पेशकश की

बेंगलूरु। कर्नाटक के रेणुकास्वामी हत्याकांड में एक आरोपी ने सरकारी गवाह बनने की अनुमति मांगते हुए बेंगलूरु की एक अदालत का रुख किया है। इस मामले में कन्नड़ अभिनेता दर्शन थुगुदीपा प्रमुख आरोपी हैं। आरोपी प्रदोष राव ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 307 के तहत 59वीं नगर दिवानी एवं सत्र अदालत (सीसीएच) में 11 पन्नों की याचिका दायर कर सरकारी गवाह बनने की बृहस्पतिवार को अनुमति मांगी।

उसने यह भी अनुरोध किया कि उसे वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये अपनी बात अलग से रखने की अनुमति दी जाए। अदालत ने इस पर अपना आदेश सोमवार तक सुरक्षित रख लिया। विशेष लोक अभियोजक प्रसन्न पी. कुमार ने अदालत से कहा कि कुछ शर्तों के साथ अभियोजन पक्ष को इस याचिका पर कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रदोष की याचिका में कथित हत्या और रेणुकास्वामी के शव को ठिकाने लगाने के बारे में विस्तृत विवरण दिया गया है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.

Y-E-29-2026-27-64 दिनांक: 31.07.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, अधोहस्ताक्षरकर्ता निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं:

कार्य का विवरण	अनुमानित मूल्य
मैसूरु मंडल के SMET (शिवमोग्गा) TSS में ट्रैक्शन पावर ट्रांसफॉर्मर TR18 की मरम्मत	Rs. 1,23,86,184.98

बोली जमा करने की अंतिम तिथि: 24.08.2026 को 11:00 बजे तक

अधिक जानकारी के लिए देखें: www.ireps.gov.in

वरिष्ठ मंडलीय इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/ट्रैक्शन वितरण/मैसूरु

PUB/352/AAVC/PRB/SWR/2026-27

आसानी से टिकट बुकिंग, PNR स्टेटस और अन्य रेलवे सेवाओं के लिए **RailOne** ऐप डाउनलोड करें।

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

प्रदर्शन

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सदस्यों ने कर्नाटक लोक सेवा आयोग पशु चिकित्सा अधिकारी भर्ती में कथित अनियमितताओं की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो जांच की मांग को लेकर कर्नाटक के बेंगलूरु जिले के फ्रीडम पार्क में विरोध प्रदर्शन किया।

बेंगलूरु में 'महिलाओं के लिए न्याय' सम्मेलन का उद्घाटन करेंगी न्यायमूर्ति नागरत्ना

नई दिल्ली/बेंगलूरु। उच्चतम न्यायालय की न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना शनिवार को बेंगलूरु में महिलाओं के लिए न्याय विषय पर आयोजित दो दिवसीय क्षेत्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करेंगी। इस सम्मेलन में न्यायाधीश, कानून विशेषज्ञ, पुलिस अधिकारी और नीति निर्माता महिलाओं की न्याय तक पहुंच को मजबूत करने तथा उनकी सुरक्षा से जुड़े कानूनों के क्रियान्वयन में सुधार के उपायों पर चर्चा करेंगे। कर्नाटक न्यायिक अकादमी में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू), कर्नाटक उच्च न्यायालय और कर्नाटक न्यायिक अकादमी द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है।

महिलाओं से जुड़े मुद्दों और न्याय प्रणाली पर प्रस्तावित राष्ट्रीय सम्मेलन से पहले राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा देश के विभिन्न हिस्सों में आयोजित की जाने वाली क्षेत्रीय परामर्श श्रृंखला के तहत यह पहला सम्मेलन है। आयोजकों के अनुसार, चर्चा का मुख्य ध्यान महिला-केंद्रित कानूनों के प्रवर्तन में कमियों की पहचान करने, संस्थागत चुनौतियों से निपटने और महिलाओं को उपलब्ध कानूनी उपायों व सहायता प्रणालियों में सुधार के लिए एक समन्वित ढांचा तैयार करने पर रहेगा।

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश विभु बखरू करेंगे। कर्नाटक उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति जयंत बनर्जी और न्यायमूर्ति एस जी पंडित विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे, जबकि राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर प्रतिभागियों को संबोधित करेंगी। उद्घाटन समारोह के दौरान आयोजक महिलाओं में कानूनी जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से डिजिटल प्रकाशनों का भी अनावरण करेंगे।

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर)

अनुसंधान भवन, 2, रफ़ी मार्ग, नई दिल्ली-110001

विज्ञापन सं. 03/2026

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-एनबीआरआई), लखनऊ के निदेशक के पद हेतु सीएसआईआर में लागू भत्तों सहित पे-मैट्रिक्स के लेवल 15 (रु. 1,82,200-2,24,100) में आवेदन/नामांकन आमंत्रित करता है।

पात्रता मानदंड एवं अन्य शर्तों के लिए, कृपया सीएसआईआर की वेबसाइट www.csir.res.in पर विस्तृत/पूर्ण विज्ञापन संख्या 03/2026 देखें। आवेदन/नामांकन पूर्ण बायोडाटा और प्रकाशनों/पेटेंटों आदि की सूची सहित ई-मेल के माध्यम से ई-मेल आईडी drc.hqrs@csir.res.in पर अथवा डायरेक्टर रिक्रूटमेंट सेल, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), अनुसंधान भवन, 2, रफ़ी मार्ग, नई दिल्ली-110001 को डाक द्वारा दिनांक 15/09/2026 को अथवा उससे पहले भेजें।

CBC 36202/11/0015/2627

विदेशी पर्यटकों की संख्या छह वर्षों में 336 प्रतिशत बढ़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या में पिछले छह वर्षों के दौरान 336 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। राजस्थान सरकार के हवाले से राज्यसभा में यह जानकारी दी गई। केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में बताया कि राजस्थान सरकार के अनुसार 2020 में राज्य में 4.46 लाख विदेशी पर्यटक आए थे, जबकि 2025 में यह संख्या बढ़कर 19.45 लाख हो गई। हालांकि, कोविड-19 महामारी के दौरान पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई थी।

आंकड़ों के अनुसार, 2021 में राजस्थान विदेशी पर्यटकों की संख्या घटकर 0.35 लाख रह गई थी। इसके बाद इसमें लगातार वृद्धि हुई और 2022 में यह 3.97 लाख, 2023 में 17 लाख तथा 2024 में बढ़कर 20.72 लाख तक पहुंच गई। आंकड़ों से यह भी स्पष्ट होता है कि इसी अवधि में घरेलू पर्यटकों की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई। वर्ष 2020 में राज्य में 151.17 लाख घरेलू पर्यटक आए थे, जबकि 2025 में उनकी संख्या बढ़कर 2,525.03 लाख हो गई।

शेखावत ने कहा कि राजस्थान में अलग-अलग पर्यटन स्थलों से होने वाले राजस्व का अलग से विवरण नहीं रखा जाता। सामान्यतः पर्यटकों की संख्या बढ़ने से होटल की बुकिंग और पर्यटन से होने वाली आय में भी वृद्धि होती है। उन्होंने कहा कि पर्यटन स्थलों और पर्यटन उत्पादों की पहचान, उनका विकास तथा प्रचार-प्रसार एक सतत प्रक्रिया है, जिसका दायित्व मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासन का होता है। मंत्री ने बताया कि राजस्थान सरकार आधारभूत ढांचे के विकास और लक्षित विपणन के माध्यम से राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए व्यापक कदम उठा रही है। वहीं, पर्यटन मंत्रालय स्वदेश दर्शन, पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता तथा तीर्थयात्रा पुनरुद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान जैसी केंद्रीय योजनाओं के माध्यम से वित्तीय सहायता प्रदान कर इन प्रयासों को मजबूती दे रहा है।

बैरवा ने बिवाई-खाटूश्यामजी रोडवेज बस सेवा को दिखाई हरी झंडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर।उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने शुक्रवार को दौसा जिले के बांदीकुई विधानसभा क्षेत्र के दौरे के दौरान लगभग 5 करोड़ 64 लाख रुपये की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण कर उन्हें आमजन को समर्पित किया। इस अवसर पर उन्होंने बिवाई से खाटूश्यामजी रोडवेज बस सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तथा श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं। साथ ही 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उप मुख्यमंत्री ने सिकंदरा-अलवर रोड पर एक करोड़ रुपये की लागत से बांदीकुई रोडवेज बस स्टैंड के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। उन्होंने 30 लाख रुपये की लागत से निर्मित आयुर्वेदिक डिस्पेंसरी कोलाना के नवीन भवन, 55-55 लाख रुपये की लागत से निर्मित उप स्वास्थ्य केंद्र टीकावाली ढाणी तथा नांगल झामरवाड़ा, 76.96 लाख रुपये की लागत से स्थापित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गुढ़लिया की बीपीएचयू लैब, 41-41 लाख रुपये की लागत से निर्मित उप स्वास्थ्य केंद्र सुधासनपाड़ा, चौबड़ीवाला एवं बगथल की कोठी का लोकार्पण किया। साथ ही 55-55 लाख रुपये की लागत से उप स्वास्थ्य केंद्र भेदाड़ी गुजरान एवं सवड़ावली के निर्माण कार्यों का शिलान्यास भी किया।

इस अवसर पर न्यू बस स्टैंड पर आयोजित समारोह में डॉ. बैरवा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार बीते ढाई वर्षों में प्रदेश के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि महिलाओं, किसानों, मजदूरों एवं युवाओं के हित में अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। राज्य सरकार ने पेपर लीक माफिया के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करते हुए दोषियों को जेल भेजने का कार्य किया है तथा एक लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां उपलब्ध कराई है। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान के माध्यम से निवेश को बढ़ावा देकर युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित किए जा रहे हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से 'हर घर तिरंगा' अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। बांदीकुई विधायक भागचंद सैनी ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार के कार्यकाल में बांदीकुई विधानसभा क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास कार्य हुए हैं तथा आगामी समय में भी विकास की यह गति निरंतर बनी रहेगी।

उप मुख्यमंत्री डॉ प्रेम चंद बैरवा ने विधायक भागचंद सैनी के साथ स्वर्गीय राजेश पायलट राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में डीएमएफटी मद से स्वीकृत 15 लाख रुपये की लागत से स्थापित अत्याधुनिक कंप्यूटर लैब का लोकार्पण किया तथा महाविद्यालय पुस्तकालय का निरीक्षण कर विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों से लगन के साथ अध्ययन कर जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी तथा शिक्षकों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ विद्यार्थियों में अच्छे संस्कार विकसित करने का आह्वान किया।

इससे पूर्व 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत विधायक भागचंद सैनी के नेतृत्व में बांदीकुई में विशाल एवं भव्य तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। रैली की विशेषता 1000 मीटर लंबा विशाल तिरंगा रहा, जो आकर्षण का केंद्र बना। देशभक्ति से ओत-प्रोत इस रैली में बड़ी संख्या में आमजन, युवा, विद्यार्थी, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि एवं जनप्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरे मार्ग में भारत माता की जय एवं वंदे मातरम् के जयघोष गूंजते रहे तथा विभिन्न स्थानों पर नागरिकों एवं सामाजिक संगठनों ने पुष्पवर्षा कर रैली का स्वागत किया।

विधायक भागचंद सैनी ने कहा कि 'हर घर तिरंगा' अभियान प्रत्येक नागरिक में राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय गौरव और तिरंगे के सम्मान की भावना को और अधिक सशक्त करने का अभियान है। उन्होंने सभी से राष्ट्रध्वज के सम्मान एवं राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उपखंड अधिकारी ऋतुराज शर्मा, रोशन सैनी, डॉ. सुमेश विजय, देवेंद्र शर्मा, सीताराम सैनी, सुरेश आभानेरी, महिपाल सिंह, ममता सैनी, पंचायत समिति विकास अधिकारी नितेश सैनी, रोडवेज प्रबंधक शक्ति सिंह सहित जनप्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

घायल युवक को ले जा रही एम्बुलेंस पलटी, अस्पताल पहुंचने से पहले मौत

जयपुर। राजस्थान के नागौर जिले में शुक्रवार को गोली लगने से घायल एक युवक को जोधपुर ले जा रही एम्बुलेंस के दुर्घटनाग्रस्त होकर पलट जाने से मरीज की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह हादसा खींवसर गांव के पास हुआ।

उसने बताया कि नागौर जिले के सदर थाना क्षेत्र के खरनाल गांव में कुछ लोग भोजन करने के लिए सड़क किनारे स्थित एक होटल पर पहुंचे थे।

भोजन परोसने में हुई देरी को लेकर उनकी होटल संचालक रामकुमार उर्फ रामदास (40) से कहासुनी हो गई। पुलिस ने बताया कि विवाद बढ़ने पर संदिग्ध युवकों में से एक ने कथित तौर पर पिस्तौल निकालकर मूल रूप से बिहार के निवासी रामकुमार पर गोली चला दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए।

सदर थाना प्रभारी किताब देवी ने कहा, ''स्थानीय लोग घायल रामकुमार को नागौर के अस्पताल ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें जोधपुर रेफर कर दिया।''

दुनिया के बड़े-बड़े ब्रांड देश के बुनकरों से मिला रहे हाथ : राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय हथकरघा उत्पादों को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी नई पहचान दिलाई है। प्रधानमंत्री स्वयं समय-समय पर देश के बुनकरों द्वारा तैयार किए गए वस्त्र धारण कर इस समृद्ध परंपरा और भारतीय संस्कृति को प्रोत्साहित करते हैं।

कर्नल राठौड़ ने शुक्रवार को जवाहर कला केंद्र (जेकेके) में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि हाथ से बने प्रत्येक वस्त्र की अपनी अलग पहचान होती है और उसके प्रत्येक रेशे के साथ एक प्रेरक कहानी जुड़ी होती है। यही कारण है कि आज विश्व के प्रतिष्ठित ब्रांड भी भारतीय बुनकरों के साथ जुड़ रहे हैं।

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री ने युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि वे अधिक से अधिक हथकरघा वस्त्र पहनें तथा उनके निर्माण की पूरी प्रक्रिया, धागे से लेकर बुनाई और सिलाई तक की कहानी, सोशल मीडिया पर शेयर करें। इससे हथकरघा उत्पादों के प्रति जनजागरूकता बढ़ेगी और स्थानीय बुनकरों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा हस्तशिल्प उत्पादों और हस्तशिल्पियों को प्रोत्साहित करने के लिए कई योजनाएं और कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

इस दौरान उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने हथकरघा उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया और प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए बुनकरों से संवाद भी किया। कार्यक्रम में उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल, राजस्थान हथकरघा विकास निगम की अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्रीमती नम्रता वृष्णि, रीको के प्रबंध निदेशक सुरेश ओला तथा राजस्थान राज्य बुनकर संघ के प्रबंध निदेशक महावीर प्रसाद मीणा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में बुनकर उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने उत्कृष्ट बुनकरों को राज्य स्तरीय बुनकर पुरस्कार प्रदान किए। प्रथम पुरस्कार जालोर जिले के डीगांव निवासी कानाराम को कॉटन एवं सिल्क साड़ी के उत्कृष्ट निर्माण के लिए प्रदान किया गया। द्वितीय पुरस्कार नागौर जिले के टांकला निवासी सोहनराम को कलात्मक दरी निर्माण के लिए तथा तृतीय पुरस्कार झालावाड़ जिले के असनावर निवासी श्रीमती धापूबाई को तोता गागरौनी डबल बेडशीट के उत्कृष्ट निर्माण के लिए प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त सांत्वना पुरस्कार जोधपुर जिले के सालावास निवासी दिनेश भोबरिया को पंजा दरी तथा बाड़मेर जिले के इण्डारा निवासी श्रीमती कबू को टेबल कवर के उत्कृष्ट निर्माण के लिए प्रदान कर सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर जवाहर कला केंद्र में एक तीन दिवसीय प्रदर्शनी भी लगाई गई है। 9 अगस्त तक चलने वाली इस प्रदर्शनी में करीब 60 स्टॉल स्थापित की गई हैं। राज्य के विभिन्न जिलों से आए बुनकर कोटा डोरिया साड़ी, ड्रेस मटेरियल, पंजा दरी, मालानी पट्टू, खेस, हैंडलूम बेडशीट, दुपट्टे, कुशन कवर, गृह सज्जा सामग्री, हैंडलूम शॉल, ऊनी वस्त्र, इंडिगो आधारित हथकरघा वस्त्र तथा साफा एवं पगड़ी के कपड़ों सहित विविध उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय कर रहे हैं। भारत सरकार के बुनकर सेवा केंद्र द्वारा हथकरघा प्रौद्योगिकी पर आधारित आकर्षक थीम पवेलियन तैयार किया गया है।

राजस्थान को भी राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर गौरवपूर्ण उपलब्धि मिली। बाड़मेर जिले के सेड़वा क्षेत्र के आलिसरो की बस्ती निवासी युवा बुनकर बरीगा राम को उनकी उत्कृष्ट पट्टू साड़ी बुनाई कला के लिए राष्ट्रीय हथकरघा पुरस्कार-2025 से सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में आयोजित राष्ट्रीय हथकरघा दिवस समारोह में उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। इस राष्ट्रीय कार्यक्रम का जेकेके में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में लाइव प्रसारण किया गया।

राज्यपाल ने नशा मुक्त भारत बनाने का आह्वान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागड़े ने शुक्रवार को गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय, बांसवाड़ा में आयोजित 'नशा मुक्त वागड़, स्वस्थ युवा, सशक्त जनजाति एवं विकसित भारत' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में शिरकत की। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने सभी से नशा मुक्त भारत बनाने में सहयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत के युवाओं को कमजोर बनाने के लिए नशा बेचा जाता है इसलिए नशा करने वालों से समझाइश करें एवं जो लोग नशे का धंधा करते हैं उनकी सूचना पुलिस को दे। उन्होंने कहा कि नशा कर वाहन चलाने से कई युवाओं की मृत्यु हो जाती है और उसके बाद उनके परिवारों का जीवन परेशानी भरा हो जाता है। उन्होंने कहा कि सरकार का टीबी मुक्त कार्यक्रम भी चल रहा है इसलिए अपने आस पड़ोस में ईलाज से वंचित कोई टीबी का मरीज हो तो उसके इलाज में मदद करें।

राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा का मंदिर है। यहां विद्यार्थी देवी-देवता और अध्यापक पुजारी है। गोविंद गुरु जनजाति विश्वविद्यालय जनजाति का विश्वविद्यालय है यहां अधिक से अधिक संख्या में जनजाति वर्ग के बच्चों को शिक्षा प्राप्त करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जब तक अच्छी शिक्षा प्राप्त नहीं करेंगे गरीबी दूर नहीं होगी। गरीबी दूर करने के लिए शिक्षा अति आवश्यक है। शिक्षा प्राप्त कर यदि एक पीढ़ी के जीवन में बदलाव आता है तो आने वाली पीढ़ियों का भविष्य अपने आप सँवर जाता है। उन्होंने कहा कि बेहतर शिक्षा के लिए गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक शिक्षा अति आवश्यक हैं। उन्होंने शिक्षाविदों से प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता एवं विद्यार्थियों के बौद्धिक क्षमता के विकास पर विशेष ध्यान देने को कहा। राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य जीवन को सार्थक बनाना है। इसके लिए बौद्धिक क्षमता, संयम, सहनशीलता, नैतिकता व सभ्यता के विकास पर जोर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि बिना सद्गुणों के शिक्षा किसी काम की नहीं है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में वित्तीय गड़बड़ी करने वाले कुलगुरुओं को निलंबित किया गया है जो राजस्थान के इतिहास में पहली बार हुआ है। स्वतंत्रता संग्राम में गोविंद गुरु के योगदान को याद करते हुए उन्होंने कहा कि गोविंद गुरु ने भील और बंजारा समाज के लोगों को इकट्ठा कर अंग्रेजों के विरुद्ध बड़ी ताकत खड़ी की और स्वतंत्रता के लिए महत्वपूर्ण संघर्ष किया।

जयपुर सहित कई जिलों में झमाझम बारिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। दक्षिण-पश्चिम मानसून के पुनः सक्रिय होने से राजस्थान की राजधानी जयपुर सहित राज्य के कई शहरों और कस्बों में जोरदार बारिश हुई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने आगामी दिनों में कई स्थानों पर भारी से अति भारी वर्षा होने की चेतावनी जारी की है। आईएमडी के जयपुर केंद्र के अनुसार, शुक्रवार सुबह तक बीते 24 घंटों के दौरान राज्य के अनेक स्थानों पर मध्यम से भारी वर्षा दर्ज की गई। इस अवधि में भरतपुर, अलवर, धौलपुर, जयपुर, सीकर, करौली और सवाई माधोपुर जिलों में कहीं-कहीं भारी वर्षा हुई, जबकि डीग जिले में अति भारी वर्षा हुई।

इसने बताया कि सर्वाधिक 158 मिलीमीटर बारिश डीग जिले के पहाड़ी क्षेत्र में हुई। राजधानी जयपुर में बृहस्पतिवार देर रात से रुक-रुककर बारिश का सिलसिला जारी रहा। शुक्रवार सुबह भी शहर और आसपास के क्षेत्रों में घने बादल छाए रहे तथा कई स्थानों पर वर्षा होती रही।

मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में अगले कुछ दिनों तक तेज बारिश का दौर जारी रहने की प्रबल संभावना है। इसने बताया कि सात से 10 अगस्त के दौरान पूर्वी राजस्थान के भरतपुर, जयपुर, कोटा, अजमेर और उदयपुर संभाग के कुछ हिस्सों में बारिश की गतिविधियों में वृद्धि होगी तथा कहीं-कहीं भारी वर्षा होने की संभावना है। विभाग ने सात से नौ अगस्त के बीच कोटा और उदयपुर संभाग में एक-दो स्थानों पर अति भारी वर्षा की भी चेतावनी जारी की है।

पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर और बीकानेर संभाग के कुछ क्षेत्रों में भी सात से 10 अगस्त के दौरान वर्षा की गतिविधियां बढ़ेंगी तथा मध्यम से कहीं-कहीं तेज वर्षा हो सकती है। हालांकि, 15 अगस्त के बाद राज्य के अधिकांश हिस्सों में वर्षा की गतिविधियों में कमी आ सकती है।

विकास उपलब्धियों से सजी ब्यावर जिला प्रगति प्रदर्शनी, दिखी ब्यावर की तीन वर्षों की विकास यात्रा

जयपुर। ब्यावर जिले के चतुर्थ स्थापना दिवस के अवसर पर जिला कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित जिला प्रगति प्रदर्शनी जिले की बीते तीन वर्षों की विकास यात्रा, उपलब्धियों और जनकल्याणकारी प्रयासों का जीवंत दस्तावेज बनकर उभरी।

प्रदर्शनी में जिले के गठन के पश्चात विभिन्न विभागों द्वारा कराए गए विकास कार्यों, नवाचारों, योजनाओं एवं उपलब्धियों को आकर्षक फोटो एवं सूचनात्मक सामग्री के माध्यम से प्रदर्शित किया गया।

जिला प्रगति प्रदर्शनी का सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने फीता काटकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर विधायक शंकर सिंह रावत, जिला कलक्टर कमल राम मीना सहित जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत ने जिलेवासियों को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा पिछले तीन वर्षों में ब्यावर जिले के विकास को गति देने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण कार्य करवाए गए हैं।

उन्होंने कहा कि विकास की यह यात्रा निरंतर जारी रहेगी और सरकार का प्रयास है कि आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हों तथा जिले का सर्वांगीण एवं संतुलित विकास सुनिश्चित किया जा सके।

भजनलाल ने हैंडलूम उत्पाद खरीदकर दिया वोकल फॉर लोकल का संदेश

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर जयपुर के एमआई रोड स्थित हैंडलूम स्टोर पहुंचकर विभिन्न उत्पाद खरीदे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के देशवासियों से किए गए आह्वान को आगे बढ़ाते हुए राज्य सरकार के उपक्रम हैंडलूम स्टोर से खरीददारी कर 'वोकल फॉर लोकल' का संदेश दिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर 'वोकल फॉर लोकल' के साथ हैंडलूम उत्पादों को प्रोत्साहित करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि हथकरघा उद्योग लाखों परिवारों की आजीविका का आधार है। राजस्थान के विभिन्न जिलों में बनने वाले स्थानीय हैंडलूम उत्पाद देश और दुनिया के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचते हैं तथा बाडमेर से लेकर सांगानेर व बगरू के उत्पाद पूरी दुनिया में जाने जाते हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय उत्पादों में कारीगरों का परिश्रम और पसीना लगा है।

माँ का दूध बच्चे के लिए सर्वोत्तम आहार : गायत्री राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य श्रीमती गायत्री राठौड़ ने कहा कि नवजात शिशु को स्वस्थ, सुरक्षित और सशक्त जीवन की सर्वोत्तम शुरुआत देने के लिए स्तनपान सबसे प्रभावी और प्राकृतिक माध्यम है। इस वर्ष विश्व स्तनपान सप्ताह की थीम जीवन की सशक्त और स्वस्थ शुरुआत के लिए स्तनपान : कारगर उपायों को सुदृढ़ बनाना रखी गई है।इसी संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से विश्व स्तनपान सप्ताह2026 के अवसर पर चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, राजस्थान सरकार ने यूनिसेफ तथा प्रदेश की प्रमुख चिकित्सा संस्थाओं के साथ मिलकर स्तनपान संरक्षण, प्रोत्साहन और समर्थन के प्रति अपनी साझा प्रतिबद्धता व्यक्त की है ।

प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य की उपस्थिति में शुक्रवार को शासन सचिवालय में यूनीसेफ़ और अन्य प्रमुख चिकित्सा संस्थानों के साथ बैठक आयोजित की गई ।चिकित्सा विशेषज्ञों ने कहा कि स्तनपान केवल शिशु का पहला आहार नहीं, बल्कि उसके जीवनभर के बेहतर स्वास्थ्य, पोषण, प्रतिरक्षा क्षमता और मानसिक विकास की मजबूत नींव है। यह कुपोषण, संक्रमण और बाल मृत्यु के जोखिम को कम करने का सबसे सरल, सुरक्षित और किफायती उपाय है। इसलिए प्रत्येक परिवार, स्वास्थ्य संस्थान और समाज की जिम्मेदारी है कि हर माँ को स्तनपान के लिए अनुकूल वातावरण, सही परामर्श और निरंतर सहयोग उपलब्ध कराया जाए।

श्रीमती राठौड़ ने कहा कि सफल स्तनपान के तीन प्रमुख सूत्र है,जन्म के पहले एक घंटे के भीतर स्तनपान प्रारम्भ करें,जन्म से पहले छह माह तक केवल माँ का दूध दें तथा छह माह बाद उपयुक्त पूरक आहार के साथ दो वर्ष अथवा उससे अधिक समय तक स्तनपान जारी रखें।उन्होंने निर्देश दिए कि हेल्थ वर्कर और डॉक्टर्स नव प्रसूताओं को नवजात शिशुओं को स्तनपान कराने के फायदे और नहीं कराने पर उन्हें नुकसान के बारे में बताए । उन्होंने बताया कि राजस्थान में संस्थागत प्रसव लगभग 95 प्रतिशत है,ऐसे में आशा एवं एएनएम कार्यकर्ताओं की नियमित काउंसलिंग, होम बेस्ड न्यूबॉर्न केयर , होम बेस्ड यंग चाइल्ड केयर तथा विभिन्न पोषण अभियानों के माध्यम से स्तनपान को और बढ़ावा दिया जा जाए । राज्य सरकार अस्पतालों एवं समुदाय स्तर पर स्तनपान परामर्श सेवाओं को और अधिक प्रभावी एवं सुलभ बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है, ताकि प्रत्येक माँ को समय पर आवश्यक मार्गदर्शन और सहयोग प्राप्त हो सके।

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी व प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई को लेकर संसद में गतिरोध कायम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अयोध्या के राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी और दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दों पर विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण शुक्रवार को भी संसद की कार्यवाही बाधित रही और दोनों सदनों को एक-एक बार के स्थगन के बाद दिन भर के लिए स्थगित कर दिया। दोनों सदनों में 'भारत छोड़ो आंदोलन' की 84वीं वर्षगांठ पर स्वतंत्रता आंदोलन में बलिदान देने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि दी। लोकसभा ने हंगामे के बीच ही सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) विधेयक, 2026 को चर्चा के बिना पारित कर दिया।

लोकसभा की बैठक शुरू होने पर अध्यक्ष ओम बिरला ने आगामी नौ अगस्त को भारत छोड़ो आंदोलन' की 84वीं वर्षगांठ का उल्लेख किया और सदस्यों ने कुछ क्षण मौन रखकर शहीद स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि दी। बिरला ने भारत छोड़ो आंदोलन के संदर्भ में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के योगदान का उल्लेख करते हुए विपक्षी सांसदों से उनसे प्रेरणा लेने को कहा। अध्यक्ष ने कहा, ''राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का

योगदान भारत ही नहीं, पूरी दुनिया मानती है और उनसे प्रेरणा लेती है। आप सब भी उनसे प्रेरणा लें और देश के अंदर लोकतंत्र को सशक्त और मजबूत करने के लिए संवाद करें।'' बिरला ने कहा, ''बाबा साहेब आंबेडकर ने यह विचार दिया था कि देश के अंदर लोकतंत्र को सशक्त और मजबूत करना है तो चर्चा और संवाद ही इसका रास्ता है।'' इसके बाद विपक्षी सांसदों ने हंगामा शुरू कर दिया। वे अपने मुद्दे को लेकर नारे लगा रहे थे। इसके बाद अध्यक्ष ने कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी। एक बार के स्थगन के बाद बैठक शुरू होने पर केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) विधेयक, 2026 को चर्चा और पारित करने के लिए पेश किया। इस दौरान विपक्ष का हंगामा जारी रहा। हंगामे के बीच ही सदन ने विधेयक को चर्चा के बिना पारित कर दिया। इसके बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, ये लोग आज भी सवेरे से गृह मंत्री का नाम ले-लेकर नारे लगा रहे हैं।

पटना में बस की चपेट में आने से राहगीर की मौत, गुस्साई भीड़ ने वाहनों में आग लगाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार की राजधानी पटना में शुक्रवार को कथित तौर पर बस की चपेट में आने से एक राहगीर की मौत हो गई जिसके बाद गुस्साई भीड़ ने कई वाहनों में आग लगा दी और एक पुलिस चौकी में तोड़फोड़ की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

यह घटना आज सुबह पटना के छोटी पहाड़ी इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर हुई। पटना के एसडीपीओ-1 राज किशोर सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, छोटी पहाड़ी इलाके में सड़क पार कर रहे एक व्यक्ति को बस ने टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना से नाराज लोगों ने बस में आग लगा दी।

उन्होंने कहा कि पुलिस की कार्रवाई से स्थिति को तुरंत काबू में कर लिया गया। सिंह ने बताया कि इस मामले में ट्रैफिक थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। ट्रैफिक थाने के प्रभारी नीरज ठाकुर ने बताया कि भीड़ ने बस के अलावा तीन पुलिस वाहनों और कई मोटरसाइकिलों को भी आग के हवाले कर दिया।

उन्होंने कहा कि भीड़ ने एक पुलिस चौकी में भी तोड़फोड़ की। अधिकारियों के अनुसार, भीड़ ने मौके पर मौजूद कुछ पत्रकारों के साथ भी मारपीट की।

अयोध्या में साधु संतों ने जेन-जी के साथ संवाद से संबंधित भागवत की टिप्पणियों का स्वागत किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/भाषा। अयोध्या में कई साधु संतों ने संवाद के जरिए जेन-जी और युवाओं से जुड़ने से संबंधित आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की टिप्पणियों का शुक्रवार को स्वागत किया। भागवत ने बृहस्पतिवार को 'जेन-जी' का खुलकर समर्थन करते हुए कहा था कि उनकी शिकायतें जायज हैं और उन्हें उनकी ईमानदारी पर भरोसा है। उन्होंने यह भी कहा था कि विरोध-प्रदर्शन करने से युवा राष्ट्र विरोधी'' नहीं हो जाते और आंदोलन लोकतंत्र में संवाद का एक रूप होता है। सरयू नित्य आरती के अध्यक्ष महंत शशिकांत दास ने कहा कि भागवत का बयान आंशिक रूप से सही था क्योंकि आंदोलन तभी खड़ा होता है जब लोगों की चिंताओं पर ध्यान नहीं दिया जाता। हालांकि उन्होंने कहा कि ये विरोध शांतिपूर्ण होने चाहिए और प्रदर्शन में किसी भी तरह की राष्ट्रविरोधी गतिविधियों का विरोध किया जाना चाहिए।

उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि कभी कभी असामाजिक तत्व विरोध प्रदर्शन में शामिल हो जाते हैं और उन्हें राजनीतिक संरक्षण प्राप्त होता है। रामदास ट्रस्ट के अध्यक्ष कल्की राम ने आरोप लगाया कि इस तरह के दृश्य अंतरराष्ट्रीय षड़यंत्रों के कारण सामने आते हैं। उन्होंने दावा किया कि विद्यार्थियों के नाम पर विरोध में उपद्रवी तत्वों ने हिस्सा लिया। उन्होंने केंद्र से ऐसे तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का आग्रह किया। हनुमानगढ़ी के मुख्य पुजारी डॉक्टर देवेशाचार्य ने भागवत के बयान का पूर्ण समर्थन करते हुए कहा कि युवा इस देश का भविष्य हैं। उन्होंने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण था कि युवाओं से कोई संवाद नहीं था। सरकार को शिक्षा और रोजगार से जुड़े मुद्दों पर उनसे सीधे बातचीत करनी चाहिए थी। संवाद से युवाओं में आक्रोश कम हो सकता था और उनकी ऊर्जा राष्ट्र निर्माण की तरफ मोड़ने में मदद मिलती। पेयजल, पंखे, शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाओं को लेकर फतेहपुर में एक स्कूल में विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लेने वाले कक्षा 12 के छात्र अंकुर सोनकर ने भी भागवत के बयान का समर्थन किया। सोनकर ने कहा, मैं मोहन भागवत जी से सहमत हूं, लेकिन सरकार को भी इस पर ध्यान देना चाहिए और बच्चों की मांग सुननी चाहिए। दिल्ली में विरोध प्रदर्शन में शामिल विद्यार्थियों के खिलाफ हुई हिंसा दोबारा नहीं होनी चाहिए।

बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु ने कोलकाता में 'हर घर तिरंगा' मार्च का नेतृत्व किया

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले शुक्रवार को दक्षिण कोलकाता में 'हर घर तिरंगा' मार्च का नेतृत्व किया। इस मार्च में तिरंगा लेकर सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए। यह मार्च आपराह्न तीन बजे अलीपुर के गोपालनगर मोड़ से शुरू हुआ और अलीपुर जजेज कोर्ट रोड, अलीपुर रोड, कालीघाट ब्रिज तथा हाजरा रोड होते हुए हाजरा चौराहे की ओर गया। अधिकारी ने हाथ में तिरंगा लेकर मार्च का नेतृत्व किया। उनके साथ राज्य मंत्रिमंडल के कई मंत्री, भाजपा विधायक और पार्टी के वरिष्ठ नेता भी मौजूद थे। सैकड़ों समर्थक तिरंगा हाथ में लिए मुख्यमंत्री के साथ मार्च करते हुए भारत माता की जय और वंदे मातरम जैसे देशभक्तिपूर्ण नारे लगा रहे थे। यह रैली 79वें स्वतंत्रता दिवस से पहले राज्य सरकार के 'हर घर तिरंगा' अभियान का हिस्सा है। सरकार ने 10 अगस्त को पूरे राज्य में एक बड़ी 'तिरंगा रैली' की घोषणा की है और इस अभियान के तहत राज्य भर में लगभग 70 लाख राष्ट्रीय ध्वज बांटने की योजना बनाई है।

सरकार युवाओं के साथ खड़ी है, विपक्ष संसद में चर्चा से बच रहा है : शिंदे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार के युवा-विरोधी होने के विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शुक्रवार को कहा कि युवा देश का भविष्य हैं और भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे। उनकी यह टिप्पणी आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के 'जेन-जी' के समर्थन में खुलकर सामने आने के एक दिन बाद आई है। भागवत ने कहा कि उनकी शिकायतें जायज हैं और उनके विरोध-प्रदर्शन उन्हें राष्ट्र-विरोधी नहीं बनाते।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात के बाद यहां पत्रकारों से बात करते हुए शिंदे ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री ने हमेशा युवाओं को अहमियत दी है, लेकिन विपक्ष संसद में मुद्दों पर चर्चा करने को तैयार नहीं था। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की अहम सहयोगी पार्टी शिवसेना के प्रमुख शिंदे ने कहा कि मोदी ने उनकी पार्टी के छह नए सांसदों को चाय पर बुलाया था। उन्होंने भरोसा जताया कि इस बातचीत से उनके संसदीय क्षेत्रों में विकास कार्यों को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि वे प्रधानमंत्री से मिले और बारिश तथा महाराष्ट्र के विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। शिंदे ने कहा, हमने उनके संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में किए जाने वाले विकास कार्यों पर चर्चा की। इससे राज्य सरकार और केंद्र, दोनों को फायदा होगा और हमारे सांसदों को विकास कार्यों के लिए समर्थन मिलेगा। मुंबई में बृहस्पतिवार को युवाओं के एक समूह के साथ बातचीत के दौरान आरएसएस प्रमुख भागवत की टिप्पणियों पर शिंदे ने कहा कि युवा देश का भविष्य हैं और 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने में अहम भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा, हम प्रधानमंत्री मोदी को युवाओं से सीधे बातचीत करते हुए भी देख रहे हैं और यह एक अच्छी बात है।

शिंदे ने कहा, पीएम मोदी ने हमेशा युवाओं को अहमियत दी है। चाहे शिक्षा हो, स्टार्टअप हों या कौशल विकास, उन्होंने युवाओं के लिए बहुत काम किया है। सरकार के युवा-विरोधी होने के विपक्ष के आरोपों पर शिंदे ने कहा कि संसद का सत्र चल रहा है और सभी मुद्दों पर वहीं चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कहा, सबसे पहले, उन्होंने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की और उन्होंने इस्तीफा दे दिया। आंदोलन में शामिल युवा अब अपने-अपने काम पर लौट गए हैं। लेकिन विपक्ष, संसद का सत्र चलने के बावजूद, चर्चा के लिए तैयार नहीं है। शिंदे ने कहा, सरकार इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए तैयार है। सरकार युवाओं के साथ खड़ी है और युवाओं के प्रति सम्मान और लिहाज के कारण ही धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दिया।

भाजपा मैगी नूडल्स की तरह विधेयक पारित करा रही है : तृणमूल नेता ओब्रायन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस ने भाजपा नीत केंद्र सरकार पर लोकसभा में बहुत कम चर्चा के साथ विधेयक पारित करके संसद का मज़ाक उड़ाने का शुक्रवार को आरोप लगाया और दावा किया कि सरकार जवाबदेही से बच रही है। तृणमूल के राज्यसभा सदस्य डेरेक ओब्रायन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक ग्राफिक साझा करते हुए कहा कि लोकसभा में छह विधेयक औसतन चार मिनट के भीतर पारित कर दिए गए। उन्होंने कहा कि भाजपा मैगी नूडल्स की तरह विधेयक पारित करा रही है। ग्राफिक के अनुसार, उच्चतम न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, 2026 चार मिनट में, जन्म और मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) विधेयक, 2026 दो मिनट में, बैंकर बही विधेयक, 2026 तीन मिनट में, कराधान और अन्य विधि (संशोधन) विधेयक, 2026 तीन मिनट में, विनियोग (संख्या 3) विधेयक, 2026 तीन मिनट में और राष्ट्रीय प्रतीकों के अपमान का निवारण (संशोधन) विधेयक, 2026 दस मिनट में पारित किए गए। संसद भवन परिसर में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए ओब्रायन ने आरोप लगाया कि सरकार संसद को बाधित कर रही है, न कि विपक्ष।

उन्होंने आरोप लगाया, पंद्रह दिन बीत चुके हैं और गृह मंत्री अभी तक संसद नहीं आ रहे हैं। सरकार ही संसद को बाधित कर रही है क्योंकि वे पैलेट (गन के इस्तेमाल) के बारे में सच्चाई छुपा रहे हैं।

ब्रायन ने दावा किया कि पिछले कुछ वर्षों में कानूनों की संसदीय समीक्षा में भारी गिरावट आई है। उन्होंने कहा, बीस साल पहले, हर 10 में से छह विधेयक की समीक्षा संसदीय समितियों द्वारा की जाती थी। अब, हर 10 में से दो से भी कम विधेयकों की समीक्षा की जाती है।

बसपा विधायक उमाशंकर सिंह का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया

बलिया/भाषा। उत्तर प्रदेश विधानसभा में बसपा के इकलौते विधायक उमाशंकर सिंह का शुक्रवार को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। उन्हें अंतिम विदाई देने के लिए पार्टी कार्यकर्ता और अन्य लोग एकत्र हुए। बलिया जिले के रसड़ा क्षेत्र से विधायक सिंह (55) का पार्थिव शरीर बृहस्पतिवार की रात नगरा थाना क्षेत्र के खनवर गांव स्थित पैतृक निवास स्थान पर लाया गया। बसपा के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के विधायक हंसू राम, पूर्व मंत्री नारद राय, भाजपा के जिला अध्यक्ष संजय मिश्र ने भी शोक संवेदना व्यक्त की। शुक्रवार को मौसम खराब होने और हल्की बूंदाबांदी के बावजूद विभिन्न राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों से जुड़े लोग और आम व्यक्ति बड़ी संख्या में अंतिम यात्रा में शामिल हुए। शव यात्रा शुक्रवार शाम जिला मुख्यालय के पड़ोस में स्थित श्री रामपुर घाट पर पहुंची जहां राजकीय सम्मान के साथ विशाल जनसमूह की उपस्थिति में गंगा नदी के तट पर अंतिम संस्कार सम्पन्न हुआ। पार्थिव शरीर को मुखाग्नि सिंह के बेटे प्रिंस यूकेश सिंह ने दी। प्रदेश के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह भी कार्यक्रम में मौजूद रहे जो उमाशंकर सिंह के समधी हैं। उमाशंकर सिंह का बुधवार की रात दिल्ली के फोर्टिस अस्पताल में उपचार के दौरान निधन हो गया था।

अतीक के बेटे अबान के जनाजे में शामिल होने के लिए भाइयों को मिली पेरोल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। माफिया और पूर्व सांसद दिवंगत अतीक अहमद के सबसे छोटे बेटे अबान अहमद के जनाजे में शामिल होने के लिए उसके दो भाइयों झांसी जेल में बंद अली और लखनऊ जेल में कैद उमर को शुक्रवार को इलाहाबाद उच्च न्यायालय से पेरोल मिल गई। अबान के भाइयों के प्रयागराज पहुंचने के बाद शनिवार सुबह शव को कसारी मसारी कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा।

न्यायमूर्ति अजय भनोट और न्यायमूर्ति दिवेश चंद्र सामंत ने अतीक अहमद की बहन परवीन कुरैशी की याचिका पर सुनवाई करते हुए उमर और अहमद को अबान के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए पेरोल दी। पीठ द्वारा यह पूछे जाने पर कि अंतिम संस्कार कब होगा, परवीन कुरैशी ने बताया कि शनिवार सुबह शव दफनाया जाएगा। झांसी जिले में बृहस्पतिवार को एक सड़क हादसे में अबान और उसके दोस्त सोनू की मौत हो गयी थी, जबकि कार सवार तीन अन्य लोग घायल हो गये थे जिन्हें कल रात झांसी के अस्पताल से लाकर प्रयागराज में भर्ती कराया गया है।

पुलिस ने बताया कि शुक्रवार सुबह अबान का शव हटवा गांव स्थित उनकी बुआ परवीन कुरैशी के घर लाया गया। अबान की कब्र भी अतीक की कब्र के पास तैयार की गई है। इसी कब्रिस्तान में अतीक के भाई अशरफ और बेटे असद की कब्र है। सड़क दुर्घटना का शिकार हुए अबान और उनके एक साथी के शव लेकर देर रात उनके परिजन प्रयागराज के लिए रवाना हुए थे और शुक्रवार सुबह यहां पहुंचे। झांसी में बृहस्पतिवार की सुबह हुई दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद अतीक के बेटे अजहम और अन्य घायलों के परिजन देर शाम झांसी पहुंचे थे। इसके बाद उसका पोस्टमार्टम किया गया। अबान अहमद अपने कुछ साथियों के साथ झांसी जेल में बंद भाई से मिलने जा रहा था, तभी रास्ते में पुंछ थाना क्षेत्र में झांसी-कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर उसकी तेज रफ्तार एसयूवी कार बेकाबू होने के कारण एक डिवाइडर से टकराकर पलट गयी। इस हादसे में अबान अहमद (21) और उसके दोस्त सोनू (25) की मौत हो गई। इसके अलावा कार सवार आजम, मोहम्मद जावेद और उमर घायल हुए। अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की 15 अप्रैल 2023 को प्रयागराज के एक अस्पताल के बाहर पत्रकार बनकर पहुंचे तीन लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने डाबर के '100 प्रतिशत' दावों पर एफएसएसएआई के आदेश पर लगाई रोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को खाद्य नियामक एफएसएसएआई के उस आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी, जिसमें डाबर इंडिया को शहद, गाय का घी और खाद्य तेल जैसे उत्पादों को '100 प्रतिशत' दावों के साथ बेचने से प्रतिबंधित किया गया था। न्यायमूर्ति अमित महाजन ने कहा कि डाबर लंबे समय से इन उत्पादों की बिक्री कर रही है और प्रथम दृष्टया उसे राहत देने का मामला बनता है, क्योंकि भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने आदेश पारित करने से पहले कंपनी को सुनवाई का अवसर नहीं दिया था।

न्यायमूर्ति महाजन ने कहा, न्यायालय का प्रथम दृष्टया यह मत है कि सुनवाई का अवसर दिए बिना प्रतिबंध लगाने का आदेश पारित नहीं किया जाना चाहिए था। अगली सुनवाई तक विवादित आदेश पर रोक रहेगी। इसके साथ ही उच्च न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई दो सप्ताह बाद के लिए सूचीबद्ध की है। डाबर की तरफ से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता ने दलील दी कि एफएसएसएआई का आदेश प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन करते हुए बिना कारण बताओ नोटिस और सुनवाई के पारित किया गया है।

वहीं, केंद्र सरकार के अधिवक्ता ने खाद्य नियामक के आदेश का बचाव करते हुए कहा कि कंपनी को पहले 'सुधार नोटिस' एवं परामर्श जारी किए गए थे तथा उसके उत्पादों पर '100 प्रतिशत' का दावा भ्रामक है। एफएसएसएआई ने सोमवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा था कि उसने डाबर इंडिया लिमिटेड को ऐसे खाद्य उत्पादों की बिक्री पर रोक लगाने का आदेश जारी किया है, जिन पर '100 प्रतिशत' जैसे भ्रामक दावे किए गए हैं। इनमें शहद, सेब का सिरका, वर्जिन नारियल तेल, तिल का तेल, गाय का घी, नारियल पानी और नारियल दूध जैसे उत्पाद शामिल हैं।

'ई20 के मामले में पूरी दाल काली है' : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने देश में लागू की गई ई20 ईंधन की व्यवस्था के मुद्दे को लेकर शुक्रवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि इस मामले में दाल में कुछ काला नहीं, बल्कि पूरी दाल ही काली है। उन्होंने 'एक्स' पर एक वीडियो जारी कर यह भी कि ई20 से लोगों को बहुत नुकसान हो रहा है तथा आने वाले समय में वह इस मामले को व्यापक स्तर पर उठाएंगे।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, ''ई20 का मुद्दा बहुत बड़ा है। सामान्य तौर पर कहा जाता है कि दाल में कुछ काला है, लेकिन यहां तो पूरी दाल ही काली है।'' गांधी ने आरोप लगाया कि ई20 के कारण लोगों की कार और स्कूटर प्रभावित हो रहे हैं तथा उनकी जिंदगी तबाह हो रही है। उन्होंने दावा किया कि इस व्यवस्था के जरिए लोगों से 'सीधी चोरी' की जा रही है। राहुल गांधी ने कहा कि किसी भी अभियान में घटनाओं का क्रम (सिक्वेंसिंग) तय करना पड़ता है, लेकिन मौजूदा समय में भ्रष्टाचार इतना अधिक है कि अनेक घटनाक्रम एक साथ सामने हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि आने वाले समय में इस मुद्दे को व्यापक स्तर पर उठाया जाएगा।

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन तो पूरे शहर को बधंक क्यों बनाया जाए? : उच्च न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को जंतर-मंतर को विरोध-प्रदर्शन और धरनों के लिए निर्धारित स्थल बनाए रखने पर सवाल उठाते हुए कहा कि आखिर राजधानी के बीचों-बीच होने वाले प्रदर्शनों के कारण पूरे शहर को ''बंधक'' क्यों बनाया जाए? सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति अमित महाजन ने कहा, ''मेरे अनुसार, ऐसी चीजें शहर के भीतर नहीं होनी चाहिए। लेकिन यह सरकार का फैसला है। बेवजह पूरे शहर को बंधक क्यों बनाया जाए?'' अदालत ऑल इंडिया दलित क्रिश्चियन राइट्स प्रोटेक्शन कमेटी' की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें दिल्ली पुलिस को 10 अगस्त को सुबह 10 बजे से दोपहर एक बजे के बीच जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने की अनुमति देने के अनुरोध पर फैसला लेने का निर्देश देने का आग्रह किया गया था।

याचिकाकर्ता के वरिष्ठ वकील ने दलील दी कि दिल्ली पुलिस ने नौ जुलाई से जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति के लिए दिए गए आवेदन पर कोई फैसला नहीं लिया है जिस पर न्यायमूर्ति महाजन ने कहा, व्यक्तिगत रूप से कहूं तो शहर के भीतर प्रदर्शन क्यों होने चाहिए?

उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था पुलिस का क्षेत्र है और दिल्ली पुलिस को शनिवार तक याचिकाकर्ता के अनुरोध पर फैसला करने का निर्देश दिया। न्यायाधीश ने कहा कि वह अनुमति दी जानी चाहिए या नहीं, इस पर कोई निर्देश जारी नहीं कर रहे हैं, लेकिन अधिकारियों को अपने फैसले से याचिकाकर्ता को अवगत कराना चाहिए। अपर सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) चेतन शर्मा ने अदालत को बताया कि स्वतंत्रता दिवस पास आ रहा है और संबंधित क्षेत्र में निषेधाज्ञा (धारा 144) लागू है। उन्होंने यह भी सूचित किया कि उच्चतम न्यायालय पहले से ही विरोध प्रदर्शन के लिए एक वैकल्पिक स्थान तय करने के मुद्दे पर विचार कर रहा है। तीन अगस्त को उच्चतम न्यायालय एक जनहित याचिका पर विचार करने के लिए सहमत हुआ था जिसमें कहा गया था कि राजधानी के केंद्र में स्थित जंतर-मंतर अब प्रदर्शनों के लिए उपयुक्त स्थान नहीं रह गया है क्योंकि इसे निवासियों को असुविधा होती है और आवश्यक सेवाएं बाधित होती हैं।

सुविचार

धैर्य सफलता का आधार है। जल्दबाजी अक्सर नुकसान पहुंचाती है। समय का इंतजार करें, लगातार प्रयास करते रहें, फल अवश्य मिलेगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जुए के जाल से उजड़ रहे परिवार

केंद्र सरकार द्वारा अनेक बार जुआ-सट्टा संबंधी वेबसाइटों और ऐप्स के खिलाफ कदम उठाए जाने के बावजूद कई युवा सबक लेने को तैयार नहीं हैं। वे इन गतिविधियों में गहरी रुचि लेकर अपना भविष्य खराब कर रहे हैं। तेलंगाना के सिद्दीपेट जिले में एक चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) ने हीलियम गैस सूंघकर अपनी ज़िंदगी खत्म कर दी। इस खौफनाक घटना के पीछे उसे जुए में हुआ भारी नुकसान बताया जा रहा है। यह कोई पहली घटना नहीं है। देश-दुनिया में जुए का जाल फैलता जा रहा है। लोगों, खासकर युवाओं को लगता है कि वे दांव लगाकर जल्द मालामाल हो जाएंगे, लेकिन एक दिन कंगाल होने की नौबत आ जाती है। भारत में ही ऐसे हजारों लोगों की आपबीती सोशल मीडिया पर मौजूद है, जिसमें वे खुलकर स्वीकार करते हैं कि जुए के दलदल में बुरी तरह फंसे हुए हैं। उन्हें सुनकर अन्य लोगों को सबक लेना चाहिए। झारखंड में एक शख्स कपड़ा सिलाई का काम करता था। उसे इसमें इतनी महारत हासिल हो गई कि दूर-दूर से लोग उससे कपड़े सिलाने आते थे। इससे उसकी कमाई काफी बढ़ गई। एक दिन उसके बचपन के दोस्त ने कहा कि कपड़ा सिलाई के साथ एक और काम करके कमाई दुगुनी, चौगुनी या दस गुनी भी कर सकते हैं। उसने मोबाइल फोन पर एक लिंक भेजा और जुआ खेलना सिखा दिया। उस शख्स ने शुरुआत में कुछ रुपए कमाए। इससे उसका हौसला बढ़ा। इसके बाद वह बड़े-बड़े दांव लगाने लगा। उसे भ्रम हुआ कि इस तरह वह जल्द ही करोड़पति बन जाएगा। एक दिन उसे भारी नुकसान हुआ। उसकी भरपाई करने के लिए उसने और बड़ा दांव लगाया। वह रकम भी डूब गई। धीरे-धीरे उसका पूरा बैंक खाता खाली हो गया। कहां तो वह दिनभर कपड़ा सिलाई करता था, अपने काम में व्यस्त रहता था, ज़िंदगी में सुकून था, अब सबकुछ चौपट हो गया। वह उस घड़ी को कोस रहा है, जब अपने बचपन के दोस्त की बातों में आ गया था। ऐसे जुआरी दोस्तों से तो कोई दोस्त न होना बेहतर है।

सिद्दीपेट के उक्त सीए के बारे में कहा जा रहा है कि उसने आर्थिक नुकसान से उबरने के लिए हैदराबाद स्थित अपना फ्लैट बेच दिया था। ऐसे मामलों में जब व्यक्ति आर्थिक चुनौतियों से बुरी तरह घिर जाता है तो वह अपनी पसंदीदा चीज बेचने से गुरेज नहीं करता है। उसे न चाहते हुए भी झूठ बोलना पड़ता है। राजस्थान में एक युवक की ज़िंदगी में सबकुछ ठीक चल रहा था। वह एक बड़ी दुकान पर नौकरी करता था। उसे वेतन भी अच्छा मिलता था। उसे सोशल मीडिया पर एक वीडियो मिला, जिसमें कोई मशहूर अभिनेत्री एक ऐप का प्रचार कर रही थी। चूंकि युवक उस अभिनेत्री का प्रशंसक था, इसलिए उसने ऐप डाउनलोड कर लिया और दांव लगाने लगा। उसने कुछ ही दिनों में अपनी सारी बचत उड़ा दी। उसके दिन का सुकून चला गया, रातों की नींद उड़ गई। वह अपने कार्यस्थल पर कर्मठ, सत्यवादी और ईमानदार व्यक्ति माना जाता था। वह ऐसा था भी, लेकिन अब अपने आर्थिक नुकसान से उबरने के लिए झूठ बोलकर रुपए उधार लेने लगा। वह कभी मां के 'बीमार' होने पर, दादा की 'मृत्यु' होने पर, परिवार में किसी बड़ी 'जरूरत' के नाम पर लाखों रुपए उधार लेकर सबकुछ जुए में गंवा बैठा। एक दिन दुकान के मालिक ने उसके घर फोन किया तो पता चला कि मां की तबीयत बिल्कुल ठीक है, दादा बिल्कुल तंदुरुस्त हैं और परिवार में कोई बड़ी जरूरत नहीं है। सबको आश्चर्य हुआ कि इतना अच्छा कर्मचारी आखिरकार झूठा और धोखेबाज निकला! जुआ जो करवा दे, वह कम है। यह ऐसा जाल है, जिसमें एक बार फंसने के बाद बाहर निकलना बहुत मुश्किल है। आम आदमी ही नहीं, प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षक, डॉक्टर, बैंक मैनेजर, पुलिस अधिकारी और सैनिक तक जुए के फेर में पड़कर अपनी कमाई बुरी तरह लुटा चुके हैं। खुशहाल ज़िंदगी को बर्बाद करने का रास्ता है- जुआ। इससे जितना दूर रहेंगे, उतना सुरक्षित रहेंगे।

ट्वीटर टॉक

8 साल की मासूम बच्ची के साथ हुई दरिंदगी की खबर रोंगटे खड़े कर देने वाली है। पार्क में बेहोश मिली बच्ची को नशीला पदार्थ खिलाकर उसका शिकार बनाया गया। यह घटना दिखाती है कि भाजपा राज में राज्य में बेटियां और मासूम बच्चे कितने असुरक्षित हैं।

-अशोक गहलोत

विधान सौधा में णघ पार्लियामेंट में हाउस ऑफ़ लॉर्ड्स के मेंबर, ब्लूम्सबरी के लॉर्ड उदय नागराजू से मिलकर बहुत अच्छा लगा।ङ्ङकर्नाटक और यूनाइटेड किंगडम के बीच मज़बूत रिश्तों की हमारी एक जैसी उम्मीदों पर हमारी अच्छी और दिलचस्प बातचीत हुई।

-डीके शिवकुमार

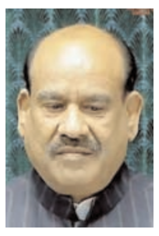

भारत छोड़ो आंदोलन की 84वीं सालगिरह के मौके पर, सदन ने आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी और भारत की आज़ादी के लिए अपना सब कुछ कुर्बान करने वाले अमर स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों को विनम्र श्रद्धांजलि दी, साथ ही उनके बेमिसाल त्याग, समर्पण और देशभक्ति को याद किया।

-ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

त्याग का सुकून

चौदह वर्ष की आयु में जेम्स हैरिसन की एक बड़ी शल्यचिकित्सा हुई। ऑपरेशन के दौरान उन्हें रक्त चढ़ाना पड़ा। स्वस्थ होने के बाद उन्होंने अपने पिता से कहा, 'जब मैं बड़ा हो जाऊंगा, तब नियमित रूप से रक्तदान करूंगा।' जब वे पहली बार रक्तदान केंद्र पहुंचे। चिकित्सकों ने पाया कि उनके रक्त में एक दुर्लभ प्रतिरक्षी (एंटीबॉडी) है, जो गर्भस्थ शिशुओं में होने वाली बीमारी के उपचार के लिए अत्यंत उपयोगी हो सकती है। डॉक्टरों ने उनसे नियमित प्लाज़्मा दान का अनुरोध किया। हैरिसन समय पर रक्तदान केंद्र पहुंचते। कई बार मौसम खराब होता, कई बार निजी व्यस्तताएं होतीं, लेकिन उन्होंने आदत नहीं बदली। जब एक पत्रकार ने उनसे पूछा, 'इतने वर्षों तक एक ही काम करते रहने की प्रेरणा आपको कहां से मिलती है?' उन्होंने मुस्कराकर उत्तर दिया, 'मैं हर बार किसी बच्चे का चेहरा नहीं देख पाता, लेकिन यह जानना पर्याप्त है कि कहीं कोई बच्चा स्वस्थ जन्म ले सकेगा।' जब आयु-सीमा के कारण उन्हें रक्तदान बंद करना पड़ा, तब चिकित्सकों ने बताया कि उनके दान से तैयार औषधियों ने लाखों माताओं और शिशुओं की सहायता की।

सामयिक

अगस्त क्रांति : भारत छोड़ो आंदोलन की अमिट गाथा

योगेश कुमार गोयल
मोबाइल : 9416740584.

भारत छोड़ो आंदोलन, जिसे 'अगस्त क्रांति' के नाम से भी जाना जाता है, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में एक ऐसे निर्णायक मोड़ का प्रतीक है, जिसने अंग्रेजी शासन की नींव को गहराई से हिला दिया था। यह केवल एक राजनीतिक आंदोलन नहीं था बल्कि भारतीय जनमानस की स्वतंत्रता के प्रति अटूट इच्छा, आत्मबल और त्याग की पराकाष्ठा का सशक्त उदाहरण था। हर वर्ष 8 अगस्त को भारत छोड़ो आंदोलन दिवस' के रूप में मनाया जाता है, जो हमें उस ऐतिहासिक संघर्ष की याद दिलाता है, जब पूरा देश एक स्वर में ब्रिटिश शासन के खिलाफ खड़ा हो गया था। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान भारत की राजनीतिक स्थिति अत्यंत जटिल हो गई थी। ब्रिटिश सरकार ने भारत को बिना उसकी सहमति के युद्ध में झोंक दिया था, जिससे भारतीय नेताओं और जनता में व्यापक असंतोष फैल गया। इसी बीच, 1942 में क्रिप्स मिशन' भारत आया, जिसने युद्ध के बाद भारत को डोमिनियन स्टेटस देने का प्रस्ताव रखा लेकिन यह प्रस्ताव अस्पष्ट और अधूरा था। भारतीय नेताओं ने इसे अस्वीकार कर दिया क्योंकि इसमें तत्काल स्वतंत्रता की कोई स्पष्ट गारंटी नहीं थी। इस असफलता ने आंदोलन की पृष्ठभूमि तैयार की।

8 अगस्त 1942 को बॉम्बे (अब मुंबई) के गोवालिया टैंक मैदान, जिसे आज 'अगस्त क्रांति मैदान' के नाम से जाना जाता है, में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का ऐतिहासिक अधिवेशन हुआ। इसी अधिवेशन में भारत छोड़ो' प्रस्ताव पारित किया गया। महात्मा गांधी ने इस अवसर पर अपने प्रसिद्ध करो या मरो' के नारे के साथ देशवासियों को स्वतंत्रता के लिए अंतिम संघर्ष के लिए प्रेरित किया। यह नारा केवल एक आह्वान नहीं था बल्कि यह उस समय के भारत के आत्मविश्वास और संकल्प का प्रतीक बन गया। इस आंदोलन की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि यह एक पूर्ण जन-आंदोलन बन गया था। 9 अगस्त 1942 की सुबह ही गांधीजी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल और अन्य प्रमुख नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। अंग्रेजों का उद्देश्य था कि नेतृत्व को खत्म कर आंदोलन को दबा दिया जाए लेकिन इसका उल्टा प्रभाव हुआ। नेताओं की गिरफ्तारी के बाद आंदोलन और अधिक उग्र और व्यापक हो गया। देश के विभिन्न हिस्सों में जनता स्वतः सड़कों पर उतर आई। छात्रों, मजदूरों, किसानों और महिलाओं ने बड़ी संख्या में इस आंदोलन में भाग लिया।

आज जब हम 'भारत छोड़ो आंदोलन दिवस' मनाते हैं तो यह केवल इतिहास को याद करने का अवसर नहीं है बल्कि हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत भी है। यह हमें याद दिलाता है कि स्वतंत्रता केवल एक अधिकार नहीं बल्कि उन अनगिनत बलिदानों का परिणाम है, जिन्हें हमें हमेशा संजोकर रखना चाहिए। वर्तमान समय में जब देश विभिन्न चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब इस आंदोलन की भावना (एकता, साहस और संकल्प) हमारे लिए मार्गदर्शक बन सकती है।

भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान कई स्थानों पर हिंसक घटनाएं भी हुईं। रेलवे लाइनों को नुकसान पहुंचाया गया, टेलीफोन और तार सेवाएं बाधित की गईं और सरकारी इमारतों पर हमले किए गए। हालांकि महात्मा गांधी का आंदोलन अहिंसात्मक था लेकिन जनता के भीतर दबी हुई आक्रोश की भावना कई स्थानों पर उग्र रूप में सामने आई। ब्रिटिश सरकार ने भी इस आंदोलन को कुचलने के लिए कठोर कदम उठाए। पुलिस और सेना ने बल प्रयोग किया, हजारों लोगों को गिरफ्तार किया गया और कई स्थानों पर गोलीबारी हुई, जिसमें सैंकड़ों लोग शहीद हो गए। इस आंदोलन में महिलाओं की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण रही। अरुणा आसफ अली, उषा मेहता, सुचेता कृपलानी जैसी अनेक महिलाओं ने न केवल आंदोलन में सक्रिय भागीदारी निभाई बल्कि नेतृत्व भी किया। उषा मेहता ने कांग्रेस रेडियो' के माध्यम से आंदोलन की जानकारी और संदेश पूरे देश में पहुंचाए। यह दर्शाता है कि यह आंदोलन केवल पुरुषों तक सीमित नहीं था बल्कि इसमें समाज के हर वर्ग की भागीदारी थी।

भारत छोड़ो आंदोलन का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी था कि इसने ब्रिटिश शासन को यह अहसास करा दिया कि अब भारत पर शासन करना संभव नहीं है। यह आंदोलन भले ही तत्काल स्वतंत्रता नहीं दिला सका लेकिन इसने अंग्रेजों की प्रशासनिक और मानसिक पकड़ को कमजोर कर दिया। इसके बाद ब्रिटिश सरकार ने यह समझ लिया कि भारत में उनका शासन लंबे समय तक टिक नहीं सकता। इस आंदोलन का प्रभाव अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी देखा गया। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान ब्रिटेन पहले ही आर्थिक और सैन्य दबाव में था। भारत में इस तरह के व्यापक जन-आंदोलन ने उसकी स्थिति को और कमजोर कर दिया। युद्ध के बाद जब ब्रिटेन की स्थिति और खराब हुई तो भारत को स्वतंत्रता देना उसके लिए एक अनिवार्यता बन गया। भारत छोड़ो आंदोलन का सबसे बड़ा योगदान यह था कि इसने भारतीय जनता को आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास का पाठ पढ़ाया। इस आंदोलन ने यह सिद्ध कर दिया कि जब जनता एकजुट होकर किसी लक्ष्य के लिए खड़ी होती है तो सबसे शक्तिशाली साम्राज्य भी उसके सामने टिक नहीं सकता। यह आंदोलन भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का अंतिम और निर्णायक चरण था, जिसने 1947 में मिली स्वतंत्रता की नींव को मजबूत किया।

आज जब हम 'भारत छोड़ो आंदोलन दिवस' मनाते हैं तो यह केवल इतिहास को याद करने का अवसर नहीं है बल्कि हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत भी है। यह हमें याद दिलाता है कि स्वतंत्रता केवल एक अधिकार नहीं बल्कि उन अनगिनत बलिदानों का परिणाम है, जिन्हें हमें हमेशा संजोकर रखना चाहिए। वर्तमान समय में जब देश विभिन्न चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब इस आंदोलन की भावना (एकता, साहस और संकल्प) हमारे लिए मार्गदर्शक बन सकती है। भारत छोड़ो आंदोलन केवल अतीत की एक घटना मात्र नहीं है बल्कि यह एक विचार है, एक प्रेरणा है, जो हमें अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का बोध कराती है। 'करो या मरो' का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जो हमें अपने राष्ट्र के प्रति समर्पण और जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित करता है। यही इस ऐतिहासिक आंदोलन की सबसे बड़ी विरासत है, जिसे हमें आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना है।

नजरिया

संस्कारों से खाली होती नई पीढ़ी का सबसे दर्दनाक सच

प्रो. आरके जैन अरिजीत

समाज की संवेदनहीनता अब कोई छिपी हुई बीमारी नहीं, बल्कि खुले घाव की तरह फैल रही है। जब कोई पिता, जिसने अपनी जवानी के सपने कुचलकर बेटियों को आत्मनिर्भर बनाया, बुढ़ापे में सोनीपत के वृद्धाश्रम की चारदीवारी में अंतिम सांस लेता है और उसकी संतानें अंतिम संस्कार में शरीर से नहीं, केवल पैसों या स्क्रीन से जुड़ती हैं, तब यह घटना एक परिवार की नहीं, पूरे युग की कहानी बन जाती है। शिवचरण गुप्ता जैसे पिता की चिता के सामने खड़े समाजसेवियों के कंधे बताते हैं कि रिश्ते अब खून से नहीं, सुविधा से तय होते हैं। तकनीक ने हाथों को जोड़ दिया, लेकिन हृदय को अलग कर दिया। यह विडंबना नहीं, एक चेतावनी है कि हम इंसानियत की परिभाषा ही बदल रहे हैं। एक समय था जब पिता की अंतिम यात्रा में बेटियों का कंधा देना सबसे बड़ा धर्म माना जाता था। आज वही धर्म वीडियो कॉल और पाँच हजार एक सौ रुपये में सिमट गया है। तीनों आत्मनिर्भर और सफल बेटियाँ-एक नेपाल, एक मुंबई, एक आजमगढ़ में-बाप की मृत्यु की खबर सुनकर भी शरीर से नहीं पहुँचीं। एक ने पैसा भेजा, दूसरी ने स्क्रीन पर चिता देखी, तीसरी ने शायद यह भी जरूरी नहीं समझा। उल्लेखनीय है कि बीमारी की सूचना लगभग 20 दिन पहले दे दी गई थी, फिर भी कोई बेटी नहीं पहुँची। क्या शिक्षा ने उन्हें केवल डिग्री दी और संवेदना छीन ली? पिता ने करोड़ों का कारोबार खोकर भी बेटियों को पढ़ा-लिखाया, पर बेटियों ने अंतिम क्षण में उपस्थिति का कर्ज नहीं चुकाया। यह लेन-देन नहीं, भावनात्मक दिवालियापन है।वृद्धाश्रम अब अनाथों के नहीं, उन माता-पिता के घर बन गए हैं जिनके बच्चे सफल हैं। शिवचरण गुप्ता ने मुंबई में कपड़े का साम्राज्य खड़ा किया था, फिर सब कुछ खोया, पत्नी भी चली गईं, फिर भी बेटियों को आत्मनिर्भर बनाया। करीब डेढ़-दो साल पहले पत्नी के साथ वृद्धाश्रम पहुँचे। पत्नी मीना गुप्ता का निधन भी आश्रम में हुआ था और तब भी बेटियाँ नहीं आई थीं। दोनों बार आश्रम प्रबंधन और स्थानीय लोगों ने संस्कार किए। अब पिता की चिता पर भी वही दृश्य। समाज ने कंधा दिया, आँखें दान हुईं, दो दृष्टिहीनों को रोशनी मिली। पर जिन आँखों ने बेटियों को सपने दिखाए, उन आँखों को अंतिम विदाई में देखने वाली संतानें दूर रहीं। आँखों का दान रोशनी देता है, पर संतानों की अनुपस्थिति अंधेरा फैलाती है। आधुनिक जीवन की भागदौड़ ने रिश्तों को समयसारिणी में कैद कर दिया है। करियर, शहर, विदेश-सब जरूरी लगते हैं, पर माता-पिता का अंतिम संस्कार फालतू। तकनीक हमें दुनिया से जोड़ती है, पर घर के आँगन से काट देती है। तीनों आत्मनिर्भर बेटियों में दो बेटियाँ शिक्षिका हैं, समाज को नैतिकता सिखाती होंगी, पर खुद के पिता की चिता के पास खड़े होने का समय नहीं निकाल सकीं। क्या यह शिक्षा की असफलता नहीं? डिग्रियाँ बढ़ीं, संस्कार सिकुड़े। बैंक बैलेंस भरा, हृदय खाली। पिता ने भूख छिपाकर पेट भरा, थकान छिपाकर नींव रखी, पर अंतिम यात्रा में अकेला छोड़ दिया गया।

यह घटना हमें आईना दिखाती है कि हम संबंधों को भावुकता से नहीं, बल्कि सौदेबाज़ी से तौलने लगे हैं। धन भेजना सरल है, उपस्थिति कठिन। वीडियो कॉल से अंतिम संस्कार देखना संभव है, कंधा देना असंभव। पर अंतिम संस्कार मात्र एक क्रिया नहीं, जीवनभर के ऋण का सत्कार है। जिसे ऑनलाइन भुगतान से नहीं चुकाया जा सकता। शिवचरण गुप्ता की आँखें दो अजनबियों को प्रकाश दे गईं, पर अपनी संतानों को भावनात्मक अंधकार दे गईं। समाजसेवी कंधे दे रहे थे, बेटियाँ स्क्रीन पर थीं। वीडियो कॉल के दौरान एक बेटी की यह टिप्पणी भी सामने आई-कितना समय लगेगा?' यह एक वाक्य ही रिश्तों की ठंडक और संवेदनहीनता को पूरी तरह उजागर कर देता है। यह दृश्य आँसू नहीं, आत्मा को हिला देता है। समय का पहिया न्यायसंगत है। जो व्यवहार हम माता-पिता के साथ करते हैं, वही हमारे बच्चों के सामने एक दिन लौटता है। आज की उपेक्षा निश्चित रूप से कल की विरासत बनेगी।

वृद्धाश्रमों की संख्या बढ़ना केवल गरीबी नहीं, बल्कि भावनात्मक दरिद्रता का सबूत है। सफल बच्चे, अकेला बाप-यह नई सामान्य स्थिति बन रही है आजकल। भारतीय संस्कृति में माता-पिता देवतुल्य हैं, पर देवता को भी अंतिम क्षण में अकेला छोड़ दिया जाए तो संस्कृति का क्या अर्थ रह जाता है? पैसे से कर्ज नहीं चुकाया जाता, उपस्थिति से ही चुकाया जाता है। हमें सचमुच और गहराई से खुद से पूछना होगा-क्या हम भी कहीं केवल आर्थिक सहायता देकर इतिश्री मान बैठे हैं? क्या कभी बिना किसी स्वार्थ के उनके साथ बैठे और बातें कीं? उनका गहरा और दर्द भरा अकेलापन समझा? धन, पद, प्रतिष्ठा तो यहीं रह जाते हैं। याद रहती है केवल वह सच्ची गर्माहट। जिस दिन चिता के सामने संतान की जगह मोबाइल की स्क्रीन दिखे, समझ लेना चाहिए कि तकनीक पूरी तरह जीत गई, और इंसान बुरी तरह हार गया। शिवचरण गुप्ता की कहानी केवल एक समाचार नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक गहरी और जरूरी चेतावनी है। विकास की चमक संवेदना की लौ को ढक रही है। यदि समय रहते नहीं संभाला तो आने वाली पीढ़ियाँ हमें आधुनिक कहेंगी, मानवीय नहीं।

नजरिया

कांवड़ यात्रा : आस्था से आगे, वैज्ञानिक जीवनशैली का संदेश

प्रो. (डॉ.) मनमोहन प्रकाश

भारत की सनातन परंपरा में कांवड़ यात्रा केवल भगवान शिव के प्रति श्रद्धा और भक्ति की अभिव्यक्ति नहीं है, बल्कि यह अनुशासन, संयम, सेवा, सामूहिकता और प्रकृति के प्रति सम्मान का भी सशक्त संदेश देती है। यदि इस यात्रा को आधुनिक विज्ञान और समाजशास्त्र की दृष्टि से देखा जाए, तो यह स्वस्थ जीवनशैली, मानसिक संतुलन, सामाजिक समरसता और पर्यावरणीय उत्तरदायित्व का एक जीवंत उदाहरण प्रतीत होती है। आवश्यकता इस बात की है कि यात्रा के इन सकारात्मक मूल्यों को केवल सावन के कुछ दिनों तक सीमित न रखकर दैनिक जीवन का हिस्सा बनाया जाए। कांवड़ यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष शारीरिक सक्रियता है। सैकड़ों किलोमीटर तक पैदल चलना हृदय, फेफड़ों, मांसपेशियों तथा चयापचय प्रणाली को सक्रिय करता है। चिकित्सा विज्ञान भी स्वीकार करता है कि नियमित पैदल चलना मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा तथा हृदय रोगों के जोखिम को कम करने में सहायक हो सकता है। यही कारण है कि कांवड़ यात्रा का संदेश केवल यात्रा तक सीमित न रहकर पूरे वर्ष नियमित शारीरिक गतिविधि अपनाने की प्रेरणा देता है। यह यात्रा मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी महत्त्वपूर्ण संकेत देती है। सामूहिक प्रार्थना, भजन, बोल बम के उद्घोष तथा साझा उद्देश्य के साथ आगे बढ़ने का अनुभव व्यक्ति में सकारात्मक भावनाओं और सामाजिक जुड़ाव की भावना को सुदृढ़ करता है। मनोविज्ञान के अनुसार सामाजिक सहभागिता, ध्यान, प्रार्थना और योग जैसी गतिविधियाँ तनाव प्रबंधन तथा मानसिक संतुलन में सहायक हो सकती हैं। आज जब तनाव, अवसाद और अकेलेपन की समस्या बढ़ रही है, तब इन सकारात्मक अभ्यासों को दैनिक जीवन में स्थान देना समय की आवश्यकता है।

कांवड़ यात्रा अनुशासित जीवन का भी उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करती है। यात्री समयबद्ध दिनचर्या अपनाते हैं, सात्विक भोजन करते हैं, संयम का पालन करते हैं तथा अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहते हैं। यदि यही अनुशासन, संतुलित आहार, नियमित दिनचर्या और आत्मनियंत्रण जीवन का स्थायी हिस्सा बन जाए, तो व्यक्तिगत स्वास्थ्य और कार्यक्षमता दोनों में सुधार संभव है। इस यात्रा का एक महत्त्वपूर्ण सामाजिक पक्ष भी है।

विभिन्न जातियों, भाषाओं, आयु वर्गों और आर्थिक पृष्ठभूमि के लोग समान उद्देश्य से साथ चलते हैं। मार्ग में स्थापित सेवा शिविरों में भोजन, पेयजल और प्राथमिक चिकित्सा जैसी सुविधाएँ बिना किसी भेदभाव के उपलब्ध कराई जाती हैं। यह परंपरा भारतीय समाज की सेवा-भावना और सामाजिक समरसता का परिचायक है। यदि यही सहयोग और सेवा की भावना वर्ष भर अस्पतालों, विद्यालयों, वृद्धाश्रमों, पर्यावरण अभियानों तथा अन्य सामाजिक कार्यों में दिखाई दे, तो समाज अधिक संवेदनशील और सशक्त बन सकता है। कांवड़ में गंगाजल लाने की परंपरा जल के प्रति श्रद्धा और संरक्षण का सांस्कृतिक संदेश भी देती है। ऐसे समय में जब जल संकट वैश्विक चुनौती बन चुका है, यह परंपरा जल के विवेकपूर्ण उपयोग, वर्षा जल संचयन तथा नदियों और अन्य जल स्रोतों की स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने की प्रेरणा प्रदान करती है। आस्था और पर्यावरण संरक्षण का यह समन्वय आज के समय में विशेष रूप से प्रासंगिक है।

कांवड़ को दोनों कंधों पर संतुलित रखकर चलना केवल शारीरिक संतुलन का नहीं, बल्कि जीवन के संतुलन का भी प्रतीक है। यह संदेश देता है कि जैसे कांवड़ का भार दोनों ओर समान होना चाहिए, वैसे ही जीवन में कार्य और विश्राम, अधिकार और कर्तव्य, भौतिक प्रगति और आध्यात्मिक मूल्यों के बीच भी संतुलन आवश्यक है। कांवड़ यात्रा का वास्तविक संदेश यही है कि धर्म केवल पूजा-पद्धति तक सीमित नहीं है; वह व्यक्ति, समाज और प्रकृति के प्रति उत्तरदायी जीवन जीने की प्रेरणा भी देता है। जब अनुशासन हमारी दिनचर्या, सेवा हमारा स्वभाव, पर्यावरण संरक्षण हमारा कर्तव्य और स्वास्थ्य हमारी प्राथमिकता बन जाएँ, तभी कांवड़ यात्रा का उद्देश्य पूर्ण रूप से सार्थक होगा। तब यह केवल सावन की एक धार्मिक यात्रा नहीं रहेगी, बल्कि स्वस्थ, संतुलित, संवेदनशील और उत्तरदायी भारत के निर्माण की सतत प्रेरणा बन जाएगी।

महत्त्वपूर्ण

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

डुबकी

पवित्र सावन महीने के दौरान वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना करने और जलाभिषेक करने से पहले श्रद्धालुओं ने गंगा नदी में पवित्र डुबकी लगाई।

इलेक्ट्रिक वाहनों की खुदरा बिक्री ने जुलाई में बनाया रिकॉर्ड, 3.27 लाख से अधिक इकाइयां बिकीं

नई दिल्ली/भाषा। देश में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की खुदरा बिक्री ने जुलाई 2026 में नया रिकॉर्ड बना लिया है। इलेक्ट्रिक वाहनों की कुल खुदरा बिक्री जुलाई में 66 प्रतिशत वृद्धि के साथ 3,27,901 इकाई के रिकॉर्ड स्तर पर रही। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इस नए रिकॉर्ड के साथ अब देश में बिकने वाला लगभग हर आठवां वाहन इलेक्ट्रिक वाहन है।

भारत में इससे पहले जून 2026 में सबसे अधिक 3,06,220 इलेक्ट्रिक वाहनों की खुदरा बिक्री हुई थी, जो जून 2025 से 63 प्रतिशत अधिक थी। अब जुलाई में यह रिकॉर्ड भी टूट गया। लगातार बढ़ती बिक्री के साथ इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी पहली बार 12 प्रतिशत से अधिक बनी हुई है।

फाडा ने बयान में कहा कि जुलाई में सबसे अधिक वृद्धि इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री में दर्ज की गई। समीक्षाधीन महीने में इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री 88.32 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2,04,362 इकाई रही, जबकि जुलाई 2025 में यह संख्या 1,08,516 थी।

इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों (पीवी) की खुदरा बिक्री जुलाई में 83.13 प्रतिशत बढ़कर 32,928 इकाई रही, जो पिछले साल इसी महीने 17,981 इकाई थी। इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहनों की बिक्री 25.3 प्रतिशत बढ़कर 87,055 इकाई रही, जो जुलाई 2025 में 69,477 इकाई थी।

अमीर बनने से पहले बूढ़ा हो जाएगा भारत

नई दिल्ली/भाषा। भारत में वर्ष 2050 तक औसतन हर पांच में से एक व्यक्ति की आयु 60 वर्ष या उससे अधिक होगी। साथ ही, लगभग 10 में से सात बुजुर्ग ग्रामीण भारत में निवास करेंगे। एक अध्ययन में शुक्रवार को यह जानकारी सामने आई। 'ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया' (टीआरआई) के अध्ययन के मुताबिक, भारत विकसित देशों के विपरीत समृद्ध बनने से पहले ही वृद्ध होती आबादी वाले देश की श्रेणी में पहुंच रहा है। अध्ययन के अनुसार, कई विकसित देशों ने समृद्धि हासिल करने के बाद वृद्ध होती आबादी की चुनौती का सामना किया, जबकि भारत में यह स्थिति उससे पहले ही बन रही है। अध्ययन में बताया गया कि प्रत्येक बुजुर्ग को सहारा देने वाले कामकाजी आयु वर्ग के लोगों की संख्या 2001 में 8.4 थी, जो 2026 तक घटकर औसतन 5.2 रहने का अनुमान है।

ग्रामीण भारत में 'जनसांख्यिकीय बदलाव, बदलते पारिवारिक ढांचे और देखभाल व्यवस्था का भविष्य' शीर्षक वाला यह 'श्वेतपत्र ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया' की 'इंडिया रूरल कालक्री' (आईआरसी) के अवसर पर जारी किया गया। अध्ययन के मुताबिक, वर्ष 2050 तक भारत में लगभग 34.7 करोड़ लोग यानी हर पांच में से एक व्यक्ति 60 वर्ष या उससे अधिक आयु का होगा। अध्ययन में बताया गया कि 10 में से करीब सात बुजुर्ग ग्रामीण क्षेत्रों में रहेंगे। अध्ययन के अनुसार, कई विकसित देशों ने समृद्ध बनने के बाद वृद्ध होती आबादी की चुनौती का सामना किया जबकि भारत में यह जनसांख्यिकीय बदलाव अपेक्षाकृत कम आय स्तर पर ही हो रहा है।

'राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण' (एनएफएचएस), 'लॉन्गिट्यूडिनल एजिंग स्टडी इन इंडिया' (एलएएसआई), जनगणना के अनुमान, 'टाइम यूज सर्वेक्षण' तथा अन्य राष्ट्रीय आंकड़ों के आधार पर तैयार श्वेतपत्र में बताया गया है कि भारत की पारंपरिक पारिवारिक देखभाल व्यवस्था पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। अध्ययन में बताया गया है कि इसका कारण परिवारों का पहले की तुलना में छोटा होना, युवाओं का रोजगार के लिए घर से दूर जाना और लोगों की औसत आयु में वृद्धि होना है। अध्ययन के मुताबिक, इसके बावजूद देश में लगभग 94 प्रतिशत बुजुर्गों की देखभाल अब भी परिवारों के भीतर ही की जाती है, जिससे परिवार के कम सदस्यों पर बुजुर्गों की बढ़ती और पहले से अधिक जटिल देखभाल की जिम्मेदारी आ रही है।

अध्ययन में बताया गया कि महिलाएं प्रतिदिन औसतन 305 मिनट बिना किसी वेतन के देखभाल कार्यों में बिताती हैं, जबकि पुरुषों का योगदान केवल 56 मिनट का है।

अध्ययन के मुताबिक, बिना किसी वेतन के कार्यों का यह असमान बंटवारा महिलाओं की श्रम बल भागीदारी बढ़ाने में सबसे बड़ी बाधाओं में से एक बना हुआ है।

करण जौहर ने 'द ट्रेटर्स 2' का ट्रेलर लॉन्च किया

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के मशहूर फिल्ममेकर, निर्माता और होस्ट करण जौहर एक बार फिर रियलिटी स्ट्रीमिंग शो 'द ट्रेटर्स' के दूसरे सीजन के साथ वापसी कर रहे हैं। शुक्रवार को शो का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज किया गया, जिसमें सस्पेंस, धोखा, रणनीति और रोमांच का जबरदस्त मेल देखने को मिला। ट्रेलर के साथ करण ने दूसरे सीजन को लेकर कई दिलचस्प बातें साझा कीं। उनका कहना है कि इस बार का खेल पहले से कहीं ज्यादा मुश्किल और चुनौतिपूर्ण होने वाला है। ट्रेलर की बात करें, तो वीडियो में आलीशान, लेकिन रहस्यपूर्ण महल दिखाई देता है, जहां हर खिलाड़ी के चेहरे पर मुस्कान है, लेकिन उसके पीछे क्या चल रहा है, इसका अंदाजा लगाना आसान नहीं है। शो की सबसे बड़ी खासियत यही है कि यहां हर बातचीत, हर मुस्कान और हर रिश्ता किसी नई साजिश की शुरुआत हो सकता है। ट्रेलर में करण जौहर अपने खास अंदाज में कहते हैं- ''यह महल किसी सपने जैसा लगता है... और मैं इस सपने को डरावने ख्वाब में बदलने का इंतजार नहीं कर सकता।'' उनके इस डायलॉग से साफ है कि इस बार दर्शकों को पहले से कहीं ज्यादा रोमांच और सस्पेंस देखने को मिलेगा।

दूसरे सीजन में मनोरंजन, सोशल मीडिया, फैशन और अन्य क्षेत्रों से जुड़े 21 सेलिब्रिटी कंटेस्टेंट्स हिस्सा ले रहे हैं। इनमें आदित्य कुलश्रेष्ठ उर्फ कुल्लू, अभिषेक मल्हान उर्फ फुकरा इंसान, अंश चोपड़ा, दलीप ताहिल, हरमन सिंघा, इक्का सिंह, करण सिंह मैजिक, क्रिस्टल डिसूजा, मल्लिका शेरावत, मुनव्वर फारुकी, पारुल गुलाटी, प्रिश, रणवीर बराड़, रिया चक्रवर्ती, रिदा थराना, साहिल सलाथिया, शाहनील गिल, शालिनी पासी, श्वेता तिवारी, सौंदूस मोफाकिर और तान्या पुरी शामिल हैं। सभी प्लेयर्स एक ही लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेंगे, लेकिन यहां जीत उसी की होगी जो अपने दिमाग, धैर्य और रणनीति का सबसे बेहतर इस्तेमाल करेगा।करण जौहर ने पहले सीजन की सफलता का जिक्र करते हुए कहा, '''द ट्रेटर्स' ने पारंपरिक रियलिटी शोज की भीड़ में अपनी अलग पहचान बनाई थी। पहले सीजन को जिस तरह का प्यार और समर्थन मिला, उससे पता चलता है कि दर्शक अब सिर्फ सामान्य टास्क या ड्रामे वाले रियलिटी शो नहीं, बल्कि ऐसा कंटेंट भी देखना चाहते हैं जहां हर पल कहानी बदलती रहे। दूसरे सीजन में हमें दर्शकों को पहले से कहीं बड़ा और बेहतर अनुभव देना होगा। इसलिए इस बार खेल को ज्यादा तेज, ज्यादा मुश्किल और पूरी तरह अप्रत्याशित बनाया गया है।''

करण ने आगे बताया, ''इस बार सभी खिलाड़ी शो के नियम, ट्विस्ट और ट्रैप्स को पहले से जानते थे। वे अपनी-अपनी रणनीति बनाकर आए थे। उनकी समझ, उनकी तैयारी और जीतने की इच्छा ने कई बार मुझे भी हैरान कर दिया। कई मौके ऐसे आए, जब खिलाड़ियों ने ऐसे फैसले लिए जिनकी मैंने बिल्कुल उम्मीद नहीं की थी।'

'करण जौहर ने कहा, ''दर्शक इस बार रिश्तों का ऐसा रूप देखेंगे, जहां दोस्ती पलभर में टूट सकती है और भरोसा कुछ ही मिनटों में शक में बदल सकता है और मजबूत गठबंधन बिखर सकता हैं। यही 'द ट्रेटर्स' की असली खूबसूरती है। जब आपको लगता है कि आपने खेल को समझ लिया है, तभी पूरा खेल अचानक बदल जाता है।'

नेशनल हैंडलूम डे पर विद्या बालन ने हथकरघा परंपरा को किया सलाम

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय हथकरघा और पारंपरिक परिधानों की मजबूत समर्थक अभिनेत्री विद्या बालन ने 'नेशनल हैंडलूम डे' के अवसर पर देश की समृद्ध बुनाई परंपरा और कारीगरों के सम्मान में एक खास पोस्ट साझा किया। अपनी खूबसूरत साड़ियों के चयन और सार्वजनिक आयोजनों में भारतीय हैंडलूम को बढ़ावा देने के लिए जानी जाने वाली विद्या ने इस मौके पर इंस्टाग्राम पर वीडियो डाला, जिसमें उन्होंने हैंडलूम सिल्क साड़ियों की खूबसूरती, विरासत और उन्हें तैयार करने वाले बुनकरों की मेहनत को सलाम किया। विद्या बालन ने लोगों से भारतीय हथकरघा को अपनाने और स्थानीय कारीगरों का समर्थन करने की अपील करते हुए अपने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'हर हैंडलूम सिल्क साड़ी अपनी एक ऐसी कहानी कहती है, जिसे कोई मशीन कभी दोहरा नहीं सकती। इस नेशनल हैंडलूम डे पर आइए उन अद्भुत कारीगरों का सम्मान करें, जिनके हाथों ने भारत की कालजयी बुनाई परंपराओं को जीवित रखा है। जब भी आप शुद्ध रेशम खरीदें, तो हमेशा 'सिल्क मार्क' जरूर देखें क्योंकि यही असली और शुद्ध रेशम की पहचान है।' वीडियो में विद्या बालन ने हैंडलूम सिल्क साड़ियों की खासियत बताते हुए कहा, ''मुझे हैंडलूम सिल्क साड़ियों की सबसे खूबसूरत बात यह लगती है कि इसका हर धागा, हर मोटिफ और हर छोटी-सी बारीकी कलाकारों की मेहनत और पीढ़ियों से चली आ रही परंपरा को दर्शाती है। यही वजह है कि हर हैंडलूम सिल्क साड़ी अपने आप में अनोखी होती है।''

'सिल्क मार्क' देखने की अपील के जरिए विद्या बालन ने लोगों को असली हैंडलूम सिल्क चुनने और भारतीय पारंपरिक शिल्प को बढ़ावा देने का संदेश भी दिया है।बता दें कि नेशनल हैंडलूम डे हर साल 7 अगस्त को मनाया जाता है। यह दिन भारत की समृद्ध हथकरघा परंपरा, बुनकरों की कला और उनके योगदान को सम्मान देने के लिए समर्पित है। भारत में हथकरघा केवल कपड़ा बनाने की एक तकनीक नहीं बल्कि यह हमारी संस्कृति, इतिहास और परंपराओं से जुड़ी एक जीवंत विरासत है। देश के अलग-अलग हिस्सों में हजारों वर्षों से बुनकर अपनी कुशलता, मेहनत और रचनात्मकता के जरिए अनोखे वस्त्र तैयार करते आ रहे हैं। राष्ट्रीय हथकरघा दिवस की शुरुआत वर्ष 2015 में भारत सरकार द्वारा की गई थी। इसके लिए 7 अगस्त की तारीख इसलिए चुनी गई क्योंकि इसी दिन वर्ष 1905 में स्वदेशी आंदोलन की शुरुआत हुई थी, जिसने भारतीय उत्पादों और स्वदेशी उद्योगों को बढ़ावा देने का संदेश दिया था। इस दिवस का उद्देश्य हथकरघा क्षेत्र को प्रोत्साहित करना, बुनकर समुदाय की आर्थिक स्थिति को मजबूत करना और लोगों को भारतीय हस्तनिर्मित वस्त्रों के महत्व के प्रति जागरूक करना है।

पति राज कुंद्रा की फिल्म देखकर गदगद हुईं शिल्पा शेट्टी

मुंबई/एजेन्सी

शिल्पा शेट्टी के पति और अभिनेता राज कुंद्रा की एक्शन ड्रामा थ्रिलर पंजाबी फिल्म 'द ग्रेट पंजाब रॉबरी' शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज की जा चुकी है। इस खुशी में अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने पति पर गर्व जताते हुए सोशल मीडिया पर उनके लिए खास पोस्ट शेयर किया। अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने इंस्टाग्राम पर सिनेमाघर का मोंटाज वीडियो पोस्ट की। इसमें वे अपने पति के साथ सिनेमाघर में नजर आ रही हैं। साथ ही, फिल्म की कुछ झलक भी शामिल हैं। अभिनेत्री ने पति के लिए खास नोट भी लिखा, जिसमें उन्होंने अपने पति की तारीफ की। साथ ही, फिल्म की पूरी टीम को बधाई दी। अभिनेत्री ने लिखा, कुछ हीरो कैप पहनते हैं लेकिन मेरा हीरो पगड़ी पहनता है। मुझे आप पर गर्व है, राज कुंद्रा। 'द ग्रेट पंजाब रॉबरी' अब सिनेमाघरों में चल रही है। पंजाब की पहली डकैती वाली फिल्म देखने जाओ। पूरी टीम को बधाई।

बात करें 'द ग्रेट पंजाब रॉबरी' की, तो यह एक पंजाबी एक्शन-ड्रामा फिल्म है, जिसमें राज कुंद्रा मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म में वह एक सिख युवक का किरदार निभा रहे हैं। फिल्म की कहानी साहस, संघर्ष, अपराध और भावनाओं के इर्द-गिर्द घूमती नजर आएगी।

फिल्म में पंजाब के एक साधारण बैंक में तीन अजीब नाम वाले लोग डाका डालते हैं। पुलिस को पहेलियों में फंसाने के लिए धीरे-धीरे यह एक खतरनाक दिमागी खेल बन जाता है। फिल्म में एक्शन के साथ गहरे जीवन के संदेश भी हैं। राज कुंद्रा का किरदार काफी रहस्यमय और प्रभावशाली नजर आ रहा है।

फिल्म में राज कुंद्रा और पायल राजपूत के अलावा गरविता साधवानी, महाबीर भुल्लर, परमवीर सिंह, अंकित सागर, अमित बहल और कुलवीर सोनी जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन सौरभ वर्मा ने किया है जबकि इसका निर्माण अक्यूर मीडिया ने किया है। फिल्म की कहानी लॉरेंस जॉन ने लिखी है। यह फिल्म 7 अगस्त से सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म को दर्शकों की तरफ से सकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है।

'जेन जी' हमारे देश की ताकत और गौरव : कंगना रनौत

नई दिल्ली/भाषा। 'जेन जी' प्रदर्शनकारियों को ''जेनरेशन गटर'' कहकर विवाद खड़ा करने के कुछ दिनों बाद अभिनेत्री-नेता कंगना रनौत ने शुक्रवार को अपना रुख बदलते हुए उनकी तारीफ की। उन्होंने कहा कि जेन जी' भारत की सबसे बड़ी ताकत है और देश की संस्कृति एवं पहचान के दूत हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत के 'जेन जी' के समर्थन में बयान देने के एक दिन बाद रनौत ने भी उनकी बातों का समर्थन किया। भागवत ने कहा था कि 'जेन जी' की मांगों पर ध्यान दिया जाना चाहिए और युवाओं को राष्ट्र-विरोधी नहीं माना जाना चाहिए। रनौत ने संसद के बाहर संवाददाताओं से कहा, जेन जी हमारे देश की ताकत है और एक तरह से राष्ट्र के लिए बड़ी संपत्ति है। हमें खुशी है कि हमारे युवा तेजी से हमारी संस्कृति और पहचान के दूत के रूप में उभर रहे हैं।

हिमाचल प्रदेश के मंडी से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद ने कहा, ''हमें मोहन भागवत जी, जिनका हम बहुत सम्मान करते हैं, को सुनने और उनके ज्ञान व अनुभव से लाभ लेने का अवसर भी मिला है। यह बेहद खुशी की बात है कि देश के युवा हमसे जुड़ रहे हैं और अपनी सांस्कृतिक पहचान को अपना रहे हैं।''

रनौत ने झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों से मिलने के लिए रांची नहीं जाने को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भी आलोचना की। रनौत की 'कॉकरोच जनता पार्टी' (कॉजपा) के विरोध-प्रदर्शन पर भड़काऊ टिप्पणियों की वजह से भारी आलोचना हुई थी।

'आवारापन-2' का ट्रेलर रिलीज, 20 साल बाद शिवम पंडित की दमदार वापसी

मुंबई/एजेन्सी

इमरान हाश्मी की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'आवारापन-2' के मेकर्स ने गुरुवार को ट्रेलर रिलीज कर दिया है। इस ट्रेलर के जरिए अभिनेता इमरान हाशमी ने शिवम के किरदार से वापसी की है। 1 मिनट 25 सेकंड का ट्रेलर उन सभी दर्शकों के सवालों का जवाब देता है जो 2 दशकों से 'आवारापन' को पसंद करते आए था। इस बार शिवम के अंदर पहले से ज्यादा दर्द, गुस्सा और एक ऐसा मकसद है, जिसे कोई रोक नहीं सकता। ट्रेलर में शिवम के बदले और माफी की दुनिया देखने को मिलती है। इसमें शिवम के चेहरे पर भारी जख्म देखने को मिल रहे हैं। इमरान का ये परफॉर्मेंस याद दिलाता है कि ये किरदार 20 साल से लोगों के दिलों में क्यों बसा हुआ है। फिल्म में शबाना आजमी, दिशा पाटनी, पुराण गब्बी, अनिरुद्ध रावल, सुरेंद्र विक्की, विजयंत कोहली और अतुल कुमार भी अहम रोल में हैं। अभिनेत्री दिशा पाटनी जारा के किरदार में फिल्म में नजर आई हैं, जो कहानी में एक नई कड़ी या इमोशनल डायमेंशन लेकर आती हैं।

शबाना आजमी नफीसा के रोल में हैं। दमदार एक्शन से भरपूर फिल्म में म्यूजिक भी कमाल का है, जिसने 'आवारापन 2' की कहानी को गहराई से छुआ है।इस फिल्म का म्यूजिक मिथुन, जीत गांगुली, अमाल मलिक, अंकित सचदेव और वासिफ अहमद ने दिया है। गाने सईद कादरी, रश्मि विराग, अखिल सचदेवा और सचिन सिंह चंदेल ने लिखे हैं। ट्रेलर में रिलीज किया गया गाना 'तेरा मेरा रिश्ता', को मिथुन ने कंपोज किया है और साज भट्ट और सुबोध शर्मा ने गाया है। इमरान हाशमी के साथ पहली बार स्क्रीन शेयर करेंगी। नितिन कक्कड़ द्वारा निर्देशित इस फिल्म में इमरान हाशमी (शिवम मलिक के रूप में) और दिशा पाटनी भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। मुकेश भट्ट और विशेष फिल्म्स 'आवारापन 2' को प्रस्तुत कर रहे हैं। नितिन कक्कड़ ने डायरेक्ट किया है और बिलाल सिद्दीकी ने लिखा है। 'आवारापन 2' 14 अगस्त 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

स्क्रीनिंग

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और राज्यसभा सांसद विनोद तावड़े नई दिल्ली के डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में दिल्ली मराठी फिल्म महोत्सव 2026 के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए।

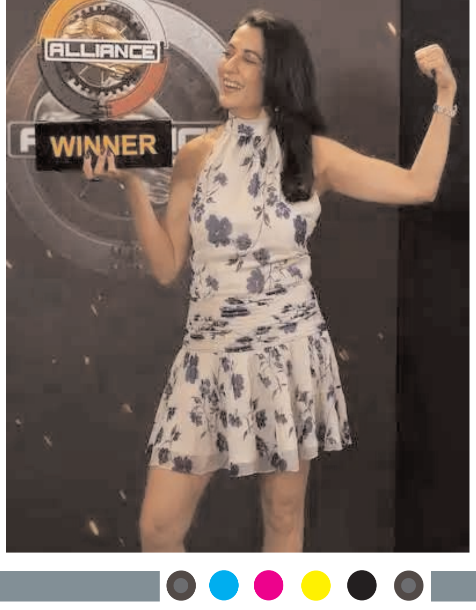

मिनी माथुर को मिली 'द अलायंस' की ट्रॉफी

मुंबई/एजेन्सी

टेलीविजन होस्ट और अभिनेत्री मिनी माथुर ने वेब रियलिटी शो 'द अलायंस' की ट्रॉफी अपने नाम की। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ हालिया बातचीत में अभिनेत्री की ये जीत उनके साथ-साथ पूरे परिवार के लिए किसी सरप्राइज से कम नहीं थी। अभिनेत्री ने बताया कि उनके ये काफी सरप्राइजिंग था कि पति-फिल्ममेकर कबीर खान इस शो के लिए इतना इमोशनली इन्वेस्टेड थे। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में कहा, 'द अलायंस' मेरे साथ-साथ परिवार के लिए भी बहुत बड़ी बात थी। क्योंकि उन्होंने कभी मुझसे ये उम्मीद नहीं की थी कि मैं अपने फोन, अपनों और डेली रूटीन के बिना शो की चुनौतियों को मैनेज कर पाऊंगी। जब मैं शो से वापस घर आई, तो मैं यह देखकर हैरान हो गई थी कि कबीर शो में कितना इन्वेस्टेड हो गया था। हर कंटेस्टेंट के हर मूव पर चर्चा करने के लिए फैमिली व्हॉटसअप पर अनगिनत बातें होती थीं। मुझे सच में अपने करियर में कोई दूसरा प्रोजेक्ट याद नहीं है, जिसमें कबीर इतना इमोशनली इन्वेस्टेड हो।

मिनी माथुर ने आगे कहा, मुझे पूरा यकीन है कि मेरे परिवार और पति को मुझ पर बहुत गर्व है। सच कहूं तो, सब कुछ अभी भी अजीब लगता है। मैं अभी घर से बाहर निकली ही थी और मुझे बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि बाहर लोग मेरे बारे में क्या कह रहे हैं। इस पूरे अनुभव ने मेरी पूरी जिंदगी को एक नई दिशा दी है।

शो 'द अलायंस' की ट्रॉफी मिलने के बारे में मिनी माथुर ने कहा, मैंने इस गेम को बहुत अलग तरीके से खेला था। मुझे कभी भी चीखने, चिल्लाने, फालतू की पॉलिटिक्स करने या सबके काम में दखल देने की जरूरत नहीं पड़ी। मेरी सबसे बड़ी ताकत यह थी कि मुझे एरीना चैलेंज सच में पसंद आए। मैं बहुत कॉम्पिटिटिव इंसान हूं, और इसीलिए मैं इस रियलिटी शो में आई। मैंने अपना गेम खेलने पर फोकस किया, साथ ही हेडक्वार्टर के सारे ड्रामा को अपने पर्सनल मोरल कंपास के हिसाब से हैंडल किया। उन्होंने आगे कहा, मैंने कभी किसी को अकेला नहीं किया, न ही मैं बेवजह झगड़ों में पड़ी। मेरी किसी से कोई बड़ी बहस भी नहीं हुई। जब भी मुझे लगा कि अपनी राय बताना जरूरी है, मैंने वैसा ही किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान

बेंगलूरु के बिड़दी स्थित भूमिका पृथ्वी लेआउट में शिव गायत्री मंदिर एवं गौशाला में पंडित श्रवण वशिष्ठ सहित 15 विद्वान ब्राह्मणों के सान्निध्य में 51 दिवसीय गायत्री पुरश्चरन महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है जिसके लिए मार्गदर्शन देने पहुंचे आचार्य पंडित दीनानाथ पाण्डेय का गौशाला संचालक पंडित श्रवण वरिष्ठ व अन्य पंडितों ने सम्मान किया। ज्ञातव्य है कि इस महायज्ञ में सवा दो करोड़ गायत्री मंत्र जाप व 23 अगस्त से श्रीमद्भागवत कथा का भी आयोजन किया जाएगा।

आत्मा की शुद्धि का महान साधन है तप : मलयप्रभसागर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री मलयप्रभसागरजी ने 11 उपवास के तपस्वी 15 वर्षीय लविश जितेन्द्र कवाड़ के ग्यारह उपवास के प्रत्याख्यान प्रदान करते हुए अपने प्रवचन में कहा कि जैन धर्म में आडम्बर रहित तपस्या का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। तप वासनाओं और इन्द्रियों पर विजय प्राप्त करने का माध्यम है। उपवास का वास्तविक उद्देश्य शरीर को कष्ट देना नहीं, बल्कि आत्मा को निर्मल और शक्तिशाली बनाना है। यह दृढ़ संकल्प, अटूट श्रद्धा, संयम और गुरुभक्ति का जीवंत उदाहरण है। तपस्वी राग-द्वेष, क्रोध, मान, माया और लोभ जैसे आंतरिक शत्रुओं को भी जीतने का प्रयास करता है। इस अवसर पर दादावाड़ी ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने तपस्वी का सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन ललित डाकलिया ने किया। साध्वी डॉ प्रियश्रद्धांजनाश्रीजी ने कहा कि तप आत्मा का आभूषण है। तप से कर्मों की निर्जरा होती है और आत्मा का तेज बढ़ता है। श्रमण भगवान महावीर स्वामी प्रतिदिन छह घंटे धर्म की गंगा सिर्फ सभी भव्य आत्माओं को अपने जैसे सिद्ध बुद्ध और मुक्त बनाने हेतु प्रवाहित करते हैं। परमात्मा को प्राप्त ज्ञान की एक बूंद जितना भी ज्ञान हमारे में नहीं है। मनुष्य का अंतिम लक्ष्य आत्म ध्यान करके स्थिर हो जाना है। चित्त की तीसरी वृत्ति चिंता व्यक्ति के तनाव ग्रसित कर देती है।

इंटर चैप्टर रेफरल बैठक में महिला उद्यमियों ने बढ़ाए व्यावसायिक सहयोग के कदम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) नार्थ व साउथ लेडीज़ विंग के संयुक्त तत्वावधान में 'स्वयं वी-कनेक्ट' व 'जेबीएन वी प्रीनर्स' की इन्टर चैप्टर बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में दोनों चैप्टर की महिला उद्यमियों ने 30-सेकंड के व्यावसायिक प्रस्तुतिकरण के माध्यम से अपने-अपने व्यवसाय का परिचय दिया तथा व्यावसायिक नेटवर्किंग और रेफरल सहयोग को नई दिशा प्रदान की। मुख्य वक्ता राष्ट्रीय प्रशिक्षक नमिता दुगड़ ने कहा कि सशक्तिकरण का आधार संतुलन, लचीलापन और परिवर्तन को स्वीकार करने का साहस है। प्रत्येक चुनौती नए अवसर लेकर आती है तथा प्रत्येक महिला में अपने परिवार के साथ समाज का नेतृत्व करने और उसे नई दिशा देने की क्षमता होती है। ङ्गलेडीज़ विंग नॉर्थ की अध्यक्षा लक्ष्मी बाफना व साउथ की अध्यक्षा बबीता रायसोनी ने सभी का स्वागत किया। नॉर्थ की मुख्य सचिव रक्षा छाजेड़ ने अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर दोनों विंग की सदस्याएं बड़ी संख्या में उपस्थित थीं। निशा कोठारी ने आभार व्यक्त किया

अहंकार व्यक्ति को गुलाम बनाता है और आत्मसम्मान भीतर से देता है शक्ति : संतश्री वीरमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

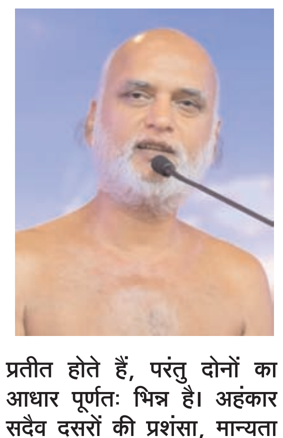

बेंगलूरु। शहर के ज्ञानोदय दिगंबर जैन मंदिर, तुबरहल्ली में आयोजित अपने दैनिक प्रवचन में मुनिश्री वीरसागर जी ने 'अहंकार और आत्मसम्मान का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण' विषय पर कहा कि जीवन की अधिकांश मानसिक अशांति, तनाव और दुःख का मूल कारण अहंकार है। जब व्यक्ति अपने सुख-दुःख की चाबी दूसरों के हाथों में सौंप देता है, तब उसका जीवन परिस्थितियों और लोगों की प्रतिक्रियाओं पर निर्भर होकर रह जाता है। मुनिश्री ने कहा कि अहंकार (मान) और आत्मसम्मान दोनों देखने में समान प्रतीत होते हैं, परंतु दोनों का आधार पूर्णतः भिन्न है। अहंकार सदैव दूसरों की प्रशंसा, मान्यता और स्वीकृति पर टिका रहता है, जबकि आत्मसम्मान व्यक्ति की आंतरिक चेतना, सत्य और आत्मविश्वास से उत्पन्न होता है। जिस व्यक्ति का सुख दूसरों की प्रशंसा पर निर्भर हो, वह वास्तव में स्वतंत्र नहीं बल्कि दूसरों का गुलाम बन जाता है। जब व्यक्ति स्वयं की तुलना दूसरों से करता है और बाहरी मान्यता में अपनी पहचान खोजता है, तब तनाव, असंतोष और अवसाद जैसी समस्याएँ जन्म लेने लगती हैं। ङ्गङ्गउन्होंने कहा कि यदि व्यक्ति अपने वास्तविक स्वरूप को पहचान ले और आत्मसम्मान को विकसित करे, तो न प्रशंसा उसे अहंकारी बना सकती है और न ही आलोचना उसे विचलित कर सकती है। आत्मबल ही जीवन की सबसे बड़ी शक्ति है। मुनिश्री ने कहा कि वे तुलना, प्रतिस्पर्धा और बाहरी स्वीकृति की अपेक्षा से ऊपर उठकर आत्मचिंतन, विनम्रता और आत्मजागरण के मार्ग पर आगे बढ़ें।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

अग्रसेन भवन में एफटीएस का रक्तदान शिविर कल

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। फ्रेंड्स ऑफ ट्राइबल्स सोसाइटी (एफटीएस) युवा द्वारा मानव सेवा एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के उद्देश्य से रविवार को सुबह 9 बजे से मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन जयनगर स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में किया जा रहा है। अपोलो हॉस्पिटल्स, नारायण हेल्थ, एस्टर ब्लड सेंटर एवं संकल्प इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित इस शिविर में रक्तदान को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विशेष लकी ड्रॉ का आयोजन भी रखा गया है, जिसमें विजेताओं को 5 ट्रॉली बैग एवं 20 लैपटॉप बैग पुरस्कार स्वरूप दिए जाएंगे। कार्यक्रम के संयोजक आयुष अग्रवाला, शुभम लोहिया, प्रवीण गेहलोत एवं अरुण शर्मा अपनी टीम के साथ तैयारियों में जुटे हुए हैं। युवा सदस्यों ने नागरिकों से आग्रह किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस अभियान से जुड़ें।

जगत के सभी जीवों के प्रति समता भाव अपनाएं : साध्वीश्री मंगलज्योति

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के वर्द्धमान श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ शांतिनगर के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री मंगलज्योतिजी ने शुक्रवार को अपने प्रवचन में कहा कि सरलता के गुण के बिना जीवन में समता का गुण विकसित नहीं होता है। जीवन में समता रूपी शीतलता को पाने के लिए साधक के जीवन में सरलता का गुण होना आवश्यक है। तभी सामाजिक और आध्यात्मिक क्षेत्र में साधक सफलता प्राप्त कर सकता है। आत्म स्मरण से सम्यक दर्शन प्राप्त हो सकता है। साधक यह चिंतन मनन करें कि संसार में जो भी हो रहा है, सुख दुख सब यह मेरे पूर्व उपार्जित कर्मों के कारण हो रहा है। इस प्रकार संसार में उदासीन भावों के साथ सब सहन करते हुए जगत के सभी जीवों के प्रति समभाव रखकर मध्यस्थ भावों में रहकर अपनी आत्मा का कल्याण ही जीवन की सार्थकता है।

साध्वी ऋजु प्रज्ञाजी ने आचारांग सूत्र के माध्यम से कर्मवाद पर कहा कि उपशम भाव से कर्म निर्जरा होगी। कर्म निर्जरा का लक्ष्य मभाव रखना है। कर्म बंध के मूल कारणों पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि जब तक आप मूल को नहीं जानेंगे,तब तक जीवन में भूलें होती रहेंगी। संघ के अध्यक्ष धनरुपचंद मेहता ने सबका स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन मंत्री छगनमल लुणावत ने किया।

धन से बड़ी होती है मानवीय इज्जत : संतश्री ज्ञानमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के हीराबाग जैन स्थानक में ज्ञानमुनिजी ने कहा कि एक अच्छे श्रावक को प्रतिदिन स्वाध्याय करना चाहिए। जब भी स्वाध्याय करने का समय मिलता है तो स्वाध्याय करना चाहिए। भगवान का नाम लेने से हमारे अंदर ऊर्जा की प्राप्ति होती है, यही इस कलयुग में हमारे साथ चलने वाला है। मानवीय इज्जत ही सबसे बड़ी है, धन बड़ा नहीं होता है। एक चन्द्रमा ही काफी है, जो धरती पर रात में उजाला कर देता है। संतश्री ने कहा कि हर बीमारी की दवा है, लेकिन मौत की दवा नहीं है। संतों के सान्निध्य में रहने से ज्ञान प्राप्त होता है।ङ्गलोकेशमुनिजी ने कहा कि स्वाध्याय मनुष्य जीवन में अति आवश्यक है, स्वाध्याय के बिना जीवन अधूरा है, मनुष्य के कल्याण के लिए स्वाधाय जरूरी होता है। साधना के लिए समय देना जरूरी है, इससे ज्ञानावर्णीय कर्मों का क्षय होता है। हर मनुष्य की आत्मा के भीतर केवल ज्ञान है, केवल ज्ञान को आत्मा से निकलने के लिए स्वाधाय करना पड़ता है, इसमें सबसे श्रेष्ठ श्रुतज्ञान है, जिससे लोक-परलोक, पाप-पुण्य का ज्ञान होता है। धर्म के रास्ते पर आगे कदम बढ़ने का कार्य करता है। संघ के मंत्री अशोक बाँठिया ने संचालन किया।

मोह के कारण होते हैं सांप्रदायिक कट्टरता और गच्छ-पंथ के प्रपंच : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

जैन जनसंख्या वृद्धि के अभियान में 6 दंपत्तियों का होगा सम्मान

हैदराबाद/दक्षिण भारत। स्थानीय महावीरस्वामी जैन श्वेतांबर संघ, फीलखाना के तत्वावधान में श्रोताओं को संबोधित करते हुए आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि मोह सबसे खतरनाक तत्व है। जन्मजन्मांतर तक ये जीवात्मा का पीछा नहीं छोड़ता। किसी भी जीव का भविष्य मोह के कारण ही बिगड़ता है। संसार के सारे पाप, अपराध, हिंसा आदि मोह के कारण होते हैं। मोह जितना प्रगाढ़ होता है, दुःख, दरिद्रता, अज्ञानता और समस्याएं उतनी ही अधिक होती हैं। मोह की अधिकता मनुष्य को भगवान, धर्म और साधना-आराधना से दूर ले जाती है। धन, व्यक्ति, वस्तु, स्थान अथवा किसी स्थिति के मोह में बंधी हुई आत्मा सुषुप्त अवस्था में होती है। ङ्गजैनाचार्य ने कहा कि मोह की प्रगाढ़ता में दया, करुणा, उदारता, सरलता, मानवता जैसे अमूल्य गुण मंद पड़ जाते हैं। मोह में भटकती आत्मा को दिए गए उपदेश भी निरर्थक सिद्ध हो जाते हैं। इसलिये हर व्यक्ति को सोच-समझकर, चाहकर अपने मोह की मात्रा को कम करने का प्रयत्न निरंतर करना चाहिए। मोह मनुष्य को जितना रुलाता है, उतनी पीड़ा कोई और नहीं देता। जैनाचार्य ने कहा कि सारी सांप्रदायिक कट्टरताएं और गच्छपंथ के प्रपंच भी मोह के कारण होते हैं। बड़े-बड़े पढ़े-लिखे साधु-संतों और साधकों को भी मोह परास्त कर देता हैं। इसलिए ज्ञानदृष्टि और तत्वदृष्टि का अभ्यास करना चाहिए। जैन शास्त्रों में इसका विस्तार से वर्णन हैं। तत्व की रुचि और तत्व का बोध मनुष्य में तत्वदृष्टि का विकास करता है।

आईआईएससी के छात्र ने छात्रावास में की आत्महत्या

बेंगलूरु। भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) के बी टेक के 19 वर्षीय एक छात्र ने छात्रावास के कमरे में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान रक्षण के रूप में हुई है और वह चिक्कबल्लापुर जिले का रहने वाला था। उन्होंने बताया कि छात्र के कमरे से एक हाथ से लिखा हुआ एक नोट बरामद किया गया है, जिसकी जांच की जा रही है।

पुलिस ने कहा कि वे इस बात की भी पुष्टि कर रहे हैं कि क्या छात्र पढ़ाई के दबाव के कारण किसी तनाव में था या फिर कोई अन्य कारण था जिसकी वजह से उसने यह आत्मघाती कदम उठाया। पुलिस के अनुसार, छात्र बृहस्पतिवार सुबह अपने कमरे में फंदे पर लटका हुआ पाया गया, जिसके बाद अधिकारियों को इसकी सूचना दी गई।

स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शुक्रवार को सुबह बेंगलूरु के कैम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विश्व जागृति मिशन के प्रमुख आचार्यश्री सुधांशुजी महाराज की अगवानी करते हुए बेंगलूरु मिशन के अध्यक्ष आदित्य टांटिया व प्रीति टांटिया, राजेंद्र गोयल, सुभाष गोयल, गुलशन खन्ना और महेश रहेजा। सभी ने मिलकर शॉल ओढाकर, माला पहनाकर एवं गुलदस्ता भेंट कर बेंगलूरु शहर में अमृतज्ञान वर्षा के लिए पहुंचे आचार्यश्री सुधांशुजी महाराज का भावभीना स्वागत किया और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

हमें महापुरुषों के संदेशों का अनुसरण करना चाहिए : राष्ट्रसंत कमलमुनि

मैसूरु/दक्षिण भारत। शहर के स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हल्लदकेरी के तत्वावधान में स्थानक भवन में विराजित राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने शुक्रवार को सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भोगवाद की संस्कृति में गले तक डूब कर आध्यात्मिकता की दुहाई देना धर्म, गुरु और भगवान के साथ अन्याय करने के समान है। हम महापुरुषों की जय जयकार तो करते हैं परंतु उनके सिद्धांतों के साथ सौतेला व्यवहार करते हैं।

मुनिजी ने कहा कि दैनिक जीवन के आचार, विचार, व्यवहार में भी भारतीय संस्कृति के दर्शन दुर्लभ होते जा रहे हैं, ऐसी आत्मा का धार्मिकता में प्रवेश कदापि संभव नहीं है।

भारतीय संस्कृति का निर्माण ऋषि-मुनियों के आध्यात्मिक ज्ञान के सहारे हुआ है जिसका लोहा आज का विज्ञान भी मान रहा है।

शुभ भाव के परिणाम हमेशा शुभ होते हैं : संतश्री अभिजीतमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के गणेश बाग स्थानक में चातुर्मासार्थ विराजित अभिजीतमुनिजी ने अपने प्रवचन में कहा कि शुभ मन रखने से जीवन में शुभ व मंगल होता है। मन में सभी के प्रति शुभ भाव व विचार रखने से हमसे कभी भी किसी का बुरा नहीं होगा। इस जगत के सभी जीव सुखी हो, सबका कल्याण हो, सब निरोगी रहे यही हमारी भावना होनी चाहिए सभी के जीवन में दान,शील, तप भाव की आराधना हो, सब आपस में भाईचारे से रहे तभी विश्व का कल्याण संभव है। शुभ भावना हमारे पाप का बंधन नहीं होने देती और शुभ भाव हमारे कर्मों का क्षय करते हैं। मन से ही आत्मा में शुभ-अशुभ, पुण्य-पाप कर्म का बंधन होता है। रवि मुनिजी ने तप, त्याग, ज्ञान, मोक्ष मार्ग का विवेचन किया।

क्रोध और अहंकार आत्मा का स्वभाव नहीं, सिर्फ अस्थायी भाव है : डॉ. समकितमुनि

संतों के दर्शनार्थ चेन्नई से आए 160 गुरुभक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वीवी पुरम स्थित महावीर धर्मशाला में बेंगलूरु चातुर्मास समिति के तत्वावधान में आयोजित 'संजीवनी चातुर्मास-2026' में शुक्रवार को प्रवचन सभा का शुभारंभ जयवंतमुनिजी के गुरु भक्ति गीत से हुआ। डॉ. समकित मुनिजी ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कि क्रोध, मान, राग-द्वेष और अहंकार आत्मा का स्वभाव नहीं हैं। ये सिर्फ अस्थायी भाव हैं, जो परिस्थितियों के बदलते ही खत्म हो जाते हैं। आत्मा का असली स्वभाव हमेशा शुद्ध, शांत और निर्मल रहता है। पानी गर्म हो सकता है, लेकिन उसका स्वभाव शीतलता ही है। डॉ. समकित मुनि ने उदाहरण देते हुए समझाया कि जैसे पानी आग के संपर्क में आने पर गर्म हो जाता है, लेकिन उसका स्वभाव गर्म होना नहीं है। आग हटते ही वह फिर से ठंडा हो जाता है, वैसे ही इंसान भी क्रोध या अहंकार जैसी भावनाओं में कुछ समय के लिए बह सकता है, लेकिन ये उसके स्थायी गुण नहीं हैं। उन्होंने कहा कि जहां संयोग है, वहां वियोग भी तय है। असली स्वभाव को बाहर लाने के लिए किसी बाहरी कारण की जरूरत नहीं होती, लेकिन गलत भावनाएं अक्सर परिस्थितियों से पैदा होती हैं, इसलिए जरूरी है कि हम हालात बदलने के बजाय अपने भीतर के भाव बदलें। मौज-मस्ती के लिए किया गया गलत काम भी गलत ही है।

युवाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मजबूरी में किया गया कोई गलत कार्य अलग बात हो सकती है, लेकिन सिर्फ मजे या मनोरंजन के लिए गलत काम करना किसी भी तरह सही नहीं है। उन्होंने कहा कि आज लोग कई बार बिना सोच-समझ के ऐसे कामों में समय और ऊर्जा लगा देते हैं, जिनका कोई सार्थक परिणाम नहीं होता, लेकिन उनसे कर्म बंधन जरूर बनता है। इसलिए ऐसे कार्यों से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि समता, क्षमा, सरलता, प्रेम और स्नेह ही आत्मा के असली गुण हैं। इन्हीं से जीवन हल्का और शुद्ध बनता है।ङ्गङ्गसंतश्री ने कहा कि 'संजीवनी चातुर्मास' अब केवल बेंगलूरु तक सीमित नहीं रहा, बल्कि देशभर के श्रद्धालुओं को एक आध्यात्मिक सूत्र में जोड़ रहा है। शुक्रवार को चेन्नई के पेरम्बुर स्थित 'नवरतन फ्रेंड्स ग्रुप' के 160 गुरुभक्तों के दल ने संतों के दर्शन व प्रवचन का लाभ लिया। समिति के पदाधिकारियों ने तपस्वियों व अतिथियों का सम्मान किया। तप साधना के दौरान अमृतलाल बाफना और प्रेमलता पगारिया ने 11 उपवास, जबकि नंदा रांका ने 12 उपवास के प्रत्याख्यान ग्रहण किए। संचालन करते हुए नेमीचंद दलाल ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**